7

# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 पत्नी की हथौड़े से हत्या | 5 जज के घर में नकदी मामला | 8 भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर रह सकता है इंग्लैंड का यह तेज गेंदबाज

UPHIN51019 | वर्ष: 02, अंक: 41 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 07 अप्रैल, 2025


“शासन को पहले ही जिले की वक्फ संपत्ति का पूरा ब्योरा भेजा जा चुका है। शासन की ओर से जो दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे, उसी मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।”



- कृष्णा करूणेश, जिलाधिकारी, गोरखपुर

## गोरखपुर में 967 वक्फ संपत्ति

आधे से अधिक पर अवैध कब्जेदार

### गोरखपुर में वक्फ संपत्ति पर आधे से अधिक पर अवैध कब्जेदार वक्फ संपत्ति में से ग्राम सभा की 346 संपत्ति, ज्यादातर कब्रगाह सर्वाधिक सदर तहसील 115 जमीनों पर कब्जेदार

**संवाददाता, गोरखपुर।** जिले में कुल 967 वक्फ संपत्ति हैं। इनमें आधे से अधिक पर अवैध कब्जेदार काबिज हैं तो कई सरकारी भूमि पर भी वक्फ की आड़ में कब्जा है। तहसीलों की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में ऐसी 346 ग्राम सभा की संपत्ति वक्फ के नाम पर कब्जे में है। इनमें सर्वाधिक 115 सदर तहसील की है तो 63 सहजनवां, 37 चौरीचौरा, 34 बांसगांव, 33 खजनी, 31 कैंपियरगंज और 33 संपत्ति गोला तहसील की है। ज्यादातर राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मुताबिक वर्ष 1986 में हुए गजट प्रकाशन में वक्फ संपत्तियों की संख्या जिले में 1466 थी, लेकिन तब मंडल के अन्य जिलों की भी कुछ वक्फ संपत्तियां इसमें शामिल कर ली गई थी, क्योंकि गोरखपुर का दायरा उस समय मंडल के दूसरे जिलों तक था। वक्फ संशोधन बिल को लेकर शासन स्तर पर शुरू हुई कवायद के क्रम में सर्वे कर जो रिपोर्ट शासन को भेजी गई, उसमें गोरखपुर में वक्फ संपत्ति की संख्या 967 ही दर्ज की गई है। इनमें तीन शिया वक्फ जबकि बाकी 964 सुन्नी वक्फ की। जिले में सर्वाधिक 503 संपत्ति सदर तहसील में तो सबसे कम 54 वक्फ संपत्ति कैंपियरगंज में है। जिला प्रशासन के मुताबिक वक्फ संपत्ति से संबंधित रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है। वहां से जैसा दिशा निर्देश जारी होगा, उसी अनुसार आगे की कार्रवाई होगी। उधर, लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पास होने के साथ ही मुस्लिम समाज में बेचौनी बढ़ गई है।



जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग समेत तहसीलों में भी वक्फ की संपत्ति को लेकर गहमागहमी का माहौल रहा। लोग वक्फ संपत्ति से संबंधित मामलों में पैरवी, शिकायत की स्थित आदि पर चर्चा करते सुने गए।

#### वक्फ संपत्तियों पर कई जगह विवाद, खड़ी हो गई हैं इमारतें

वक्फ की सर्वाधिक कीमती संपत्तियां सदर तहसील में हैं। इनमें भी शहरी क्षेत्र में ज्यादा संपत्तियां है। 60 प्रतिशत से अधिक संपत्ति पर विवाद है। तथ्य छिपाकर कई स्थानों पर वक्फ के लिए दान की गई संपत्तियों का भी बैनामा कर दिया गया। कई स्थानों पर बड़ी–बड़ी इमारतें भी खड़ी हो गई हैं। तमाम ऐसे मकान हैं जहां लोगों की दो से तीन पीढ़ियां रहते आ रही हैं।

कब्रिस्तान तेलगढ़िया तुर्कमानपुर–बेतियाहाता राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान दर्ज है, लेकिन कई लोगों ने मकान बनवा लिया है। वहां कुछ भूखंड पर भी अतिक्रमण है। इसी तरह शहर के मोहद्दीपुर, बक्शीपुर, मुफ्तीपुर, मियां बाजार, कुसम्ही, बहरामपुर, रामनगर करजहां, ताज पिपरा, मुडेरी गढवा, पिपराइच, जंगल अहमद अली शाह उर्फ तुरा और दीवान बाजार आदि में वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जा है।

गोरखपुर में वक्फ संपत्तियों पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिले में कुल 967 वक्फ संपत्तियां हैं जिनमें से आधे से अधिक पर अवैध कब्जा है। कई सरकारी भूमि पर भी वक्फ की आड़ में कब्जा किया गया है। तहसीलों की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में 346 ग्राम सभा की संपत्ति वक्फ के नाम पर कब्जे में है।

#### अवध के नवाब आसिफद्दौला ने मियां बाजार में दान की थी संपत्ति

*अवध के नवाब आसिफुद्दौला ने 18वीं शताब्दी में किए वक्फनामे में 'मुकम्मल मियां बाजार' लिखकर संपत्ति दान की थी। यानी संपूर्ण मियां बाजार वक्फ में था, लेकिन कालांतर में यहां की जमीन बिकती गई और दूसरे लोगों के नाम दर्ज होते गए। इस मोहल्ले में वक्फ के नाम पर अब इमामबाड़ा व कुछ अन्य संपत्तियां बची हैं। दूसरी जगहों पर विधिक रूप से अन्य लोग निवास कर रहे हैं।*

## गोरखपुर दोहरे हत्याकांड में 15 से अधिक लोगों से पूछताछ

**गोरखपुर के चौरीचौरा में हुए दोहरे हत्याकांड को सुलझाने के लिए पुलिस अब तक 15 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुकी है लेकिन अभी तक हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद नहीं हो सका है। पीड़ित परिवार नामजद आरोपितों पर हत्या का आरोप लगा रहा है लेकिन पुलिस को उनके खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं मिल पाए हैं।**

**संवाददाता, गोरखपुर।** चौरीचौरा के ग्राम शिवपुर चकदहा में हुए दोहरे हत्याकांड में पांच दिन बीतने के बाद भी पुलिस अभी तक हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं कर पाई है। गुरुवार को पुलिस टीम ने गांव में घूम–घूमकर मृतका पूनम के पट्टीदारों और अन्य ग्रामीणों से पूछताछ की, लेकिन अभी तक कोई ठोस सबूत हाथ नहीं लगा है। इस दोहरे हत्याकांड को सुलझाने के लिए पुलिस ने अब तक 15 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। इसके बावजूद कोई भी ऐसा नाम सामने नहीं आया है, जिसे स्पष्ट रूप से घटना में शामिल माना जा सके। पीड़ित परिवार अब भी नामजद आरोपितों पर ही हत्या का आरोप लगा रहा है, लेकिन पुलिस को उनके विरुद्ध पुख्ता सबूत नहीं मिल पाए हैं। गांव में पुलिस की सख्त निगरानी के बीच माहौल धीरे–धीरे सामान्य हो रहा है, लेकिन हत्याकांड को लेकर अब भी चर्चा जारी है। पूनम और उनकी बेटी अनुष्का की हत्या किसने और किस हथियार से की, इस पर गांव के अलग–अलग लोग अपनी राय दे रहे हैं। हालांकि, गांव में शाम होते ही सन्नाटा पसर जा रहा है। पीड़ित परिवार की सुरक्षा व शांति व्यवस्था के लिए गांव में पीएसी के जवान अब भी तैनात हैं।

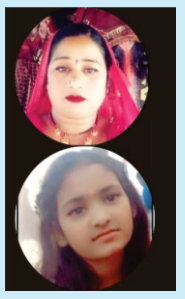



#### बड़ा सवाल, बुजुर्ग छत पर कैसे चढ़े?

पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि मुख्य आरोपित संजय अपने पिता सरजू और भाई के साथ छत के रास्ते घर में घुसा था। लेकिन इस दावे पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि संजय के पिता सरजू की उम्र 60 वर्ष से अधिक है। ऐसे में पुलिस इस तथ्य की गहराई से जांच कर रही है कि क्या इतनी उम्र में सरजू छत पर चढ़कर वारदात में शामिल हो सकते थे?

## पीएम मोदी का भव्य स्वागत

### तोपों से दी गई सलामीय कई समझौतों पर लग सकती है मुहर

**कोलंबो,एजेंसी।** पीएम मोदी शनिवार शाम श्रीलंका पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर पीएम मोदी की श्रीलंका सरकार के पांच मंत्रियों ने अगवानी की थी। यात्रा के दूसरे दिन आज पीएम मोदी को स्वतंत्रता चौक पर औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। श्रीलंका दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शानदार स्वागत किया गया। कोलंबो के स्वतंत्रता चौक पर औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान उन्हें तोपों की सलामी दी गई। पीएम मोदी की 2019 के बाद यह पहली श्रीलंका यात्रा है। इससे पहले वे 2015 और 2019 में श्रीलंका का दौरा कर चुके हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा से भारत–श्रीलंका के संबंधों में और अधिक मजबूती आने की उम्मीद है।

#### एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत

पीएम मोदी शनिवार शाम श्रीलंका पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर पीएम मोदी की श्रीलंका सरकार के पांच मंत्रियों ने अगवानी की थी। यात्रा के दूसरे दिन आज पीएम मोदी की श्रीलंकाई प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से भी मुलाकात होगी। इससे पहले केंद्रीय सचिवालय में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ पीएम मोदी द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। मोदी–दिसानायके वार्ता के बाद दोनों पक्षों के बीच श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन समेत कई अन्य द्विपक्षीय समझौते हो सकते हैं।

**संवाददाता, जमशेदपुर।** उत्तर प्रदेश के वांटेड अपराधी अनुज कनौजिया को गोविंदपुर अमलताश सिटी के भूमिहार मेंशन में संरक्षण देने वाला मानगो पारडीह निवासी शशि शेखर उर्फ चिंटू सिंह जमशेदपुर अदालत के बाहर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। उसने बताया कि वह कुछ दबंगों की दबंगई के कारण वांटेड को भूमिहार मेंशन में ठहराया था।

#### अदालत के बाहर से पुलिस ने किया गिरफ्तार

अब पुलिस उसके माध्यम से अनुज के सहयोगियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। हालांकि, पुलिस इस मामले में कुछ भी बताने से बच रही है। दरअसल, चिंटू सिंह की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने उसके स्वजन पर दबाव बना रखा था। उसके पिता को हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद शशि शेखर पुलिस को चकमा देकर जमशेदपुर अदालत में आत्मसमर्पण करने पहुंचा था, चिंटू सिंह के विरुद्ध कोई मामला नहीं रहने के कारण वो आत्मसमर्पण नहीं कर पाया। वह अदालत परिसर से जैसे ही बाहर निकला, पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

#### इन सवालों के मिलेंगे जवाब

उसकी गिरफ्तारी से कई गुत्थी सुलझेगी, साथ ही ये पता चलेगा कि किसके कहने पर उसने अपराधी को संरक्षण दिया था? कौन–कौन लोग भूमिहार मेंशन में आते–जाते थे? हथियार और बम कहां से आए?

#### गणेश गोप की जमीन पर चिंटू सिंह ने किया कब्जा

चिंटू सिंह की गिरफ्तारी के बाद सफेदपोश, नेता और अपराधी के गठजोड़ की जानकारी मिलने की संभावना है। सूचना है कि 60 दिनों से वांटेड भूमिहार मेंशन में ठहरा हुआ था। पुलिस को अमलताश सिटी के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि जमीन गणेश गोप की थी, चिंटू उसके साथ आता–जाता था।

## सम्पादकीय

# नया वक्फ कानून ध्रुवीकरण है मकसद

अपने ध्रुवीकरण के एजेंडे की तरफ एक और बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में कार्यरत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सरकार उस वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक, 2024 को संसद में पारित कराने की कगार पर है जिसके जरिये मुस्लिमों के मामलों में अब सरकार की सीधी दखल का रास्ता खुल जायेगा। वक्फ संशोधन विधेयक बुधवार 12 बजे लोकसभा में पेश किया गया और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक लोकसभा में इस पर चर्चा जारी थी। आंकड़े सरकार के पक्ष में होने के कारण इसे पारित कराने में उसे कोई दिक्कत नहीं होगी ऐसा माना जा रहा है, क्योंकि सदन में जेडीयू और टीडीपी दोनों ने इस विधेयक में भाजपा का साथ दिया है। सरकार इस कानून को चाहे मुस्लिमों के हित में लाया गया कानून बता रही हो, लेकिन यह देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक वर्ग की धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है जिसके कारण सदन के भीतर धर्मनिरपेक्षता व लोकतंत्र में भरोसा रखने वाली तमाम पार्टियों तथा बाहर मुस्लिम संगठनों का इसे लेकर बड़ा विरोध हो रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और तमाम मुस्लिम संगठन इसका तभी से विरोध कर रहे हैं जब इसे पहली बार पिछले वर्ष 8 अगस्त को संसद में पेश किया गया था। प्रबल विरोध के चलते पहले तो इसे एक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा गया था, परन्तु उस समिति की संरचना ऐसी थी जिसमें सरकार का बहुमत था। मुसलमानों की राय तथा विपक्ष के सुझावों को नजरंदाज कर संशोधन विधेयक को लोकसभा में प्रस्तुत किया गया।

देश भर में मस्जिदों के रखरखाव हेतु रखी गयी सम्पत्ति यथा जमीनों, दुकानों पर सरकार का नियंत्रण व आधिपत्य का मार्ग प्रशस्त करने वाला यह कानून इसलिये निराशाजनक है क्योंकि इसका मकसद मस्जिदों व मुस्लिमों को उनके धार्मिक–सामाजिक कामों के लिये होने वाली आय से वंचित करने वाला है। मस्जिदों के निर्माण हेतु मिली जमीन का वैसे तो कोई मालिक नहीं होता और माना जाता है कि इसका मालिक अल्लाह होता है। मस्जिद कमेटी इसकी देख–रेख करती है। सरकार या प्रशासन द्वारा यह काम अपने हाथ में लेने का अर्थ है मुस्लिमों की धार्मिक मान्यता व कार्यपद्धति को सिरे से नकारना जिसके कारण इस विधेयक का व्यापक विरोध हो रहा है।

यह भी आशंका है कि लगभग हर शहर में वक्फ के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली जमीनों के लिये सिविल के मुकदमे प्रारम्भ हो जायेंगे– फिर चाहे वे भाजपा सरकारों की ओर से हों अथवा उससे जुड़े संगठनों द्वारा दायर किये जायें। जो भी हो, यह तय है कि इस कानून से हिन्दुओं और मुस्लिमों के बीच की खाई और भी गहरा सकती है। पहले से देश भर में मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों की संख्या में इस कानून के अस्तित्व में आ जाने से और भी इजाफा होना तय है। हालांकि सरकार का दावा है कि इससे वक्फ से जुड़ी सम्पत्तियों का बेहतर प्रबन्धन हो सकेगा, पर सरकार की मंशा साफ है। वह मुस्लिमों की ताकत को कमतर करने तथा उसकी परिसम्पत्तियों पर कब्जा करना चाहती है। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से दो गैर मुस्लिम सदस्य भी बोर्ड में शामिल किये जायेंगे। देश में फिलहाल वक्फ की सम्पत्ति का प्रबन्धन करने के लिये करीब 30 स्थापित संगठन हैं जो वक्फ बोर्ड अधिनियम, 1995 के अंतर्गत काम करते हैं।

देखना है कि इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद इसे लेकर एनडीए के वे समर्थक दल क्या रुख अख्तियार करते हैं और उन राजनीतिक संगठनों के बारे में उनके वोटर क्या राय बनायेंगे जिन्होंने इस विधेयक को पारित करने में सरकार की मदद की है। विशेषकर, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड, जिनके क्रमशरू 16 व 12 लोकसभा सदस्यों के बल पर नरेन्द्र मोदी की सरकार टिकी हुई है। इन दोनों पर इसलिये विशेष ध्यान है क्योंकि ये दोनों ही धर्मनिरपेक्ष पार्टियां कहलाती हैं और इनका बड़ा समर्थक वर्ग अल्पसंख्यकों का है।

पहली बार जब यह विधेयक 8 अगस्त, 2024 को संसद में पेश किया गया था, तब जेडीयू और टीडीपी दोनों ने खुलकर सरकार का साथ नहीं दिया था, लेकिन अब माहौल बदल गया है। वहीं इस विधेयक के खिलाफ पिछले माह की 7 तारीख को जंतर मंतर पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बड़ा प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी थी कि यदि वक्फ कानून संशोधन विधेयक (2024) वापस नहीं लिया गया तो इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अलावा जमाते इस्लामी एवं जमीयत उलेमा ए हिन्द जैसे कई और संगठन शामिल हुए थे जो कि देश के अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अब फिर से बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने चेतावनी दी है कि यह विधेयक पारित हुआ तो बोर्ड चुप नहीं बैठेगा। आंदोलन करने के अलावा सभी संवैधानिक तथा कानूनी प्रावधानों का उपयोग किया जायेगा।

इस बिल को लेकर सरकार की मंशा का पता इसी बात से चल जाता है कि इसे पेश करते वक्त कई भ्रामक तथ्य पेश किये गये। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और यहां तक कि गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि श्यदि यह बिल नहीं लाया जाता तो अब तक संसद भवन पर भी वक्फ बोर्ड अपना दावा ठोंक चुका होता।श याद हो कि पिछले दिनों जब प्रयागराज में कुम्भ चल रहा था तब भी कहा गया था कि पूरे मेला क्षेत्र को अपनी जमीन पर होने का वक्फ दावा करता है। लोकसभा में कांग्रेस के गौरव गोगोई, केसी वेणुगोपाल आदि ने कहा कि सरकार की नजर वक्फ की जमीनों पर है, जो वह मुसलमानों से छीन लेना चाहती है। अपनी संख्या बल पर चाहे सरकार इस विधेयक को पारित करा ले तथा इसे कानून का रूप देने की दिशा में आगे बढ़े , पर इससे देश के दो सबसे बड़े वर्गों के बीच दरार को बड़ा करने की वह हमेशा जिम्मेदार मानी जायेगी। राज्यसभा में यह विधेयक आज गुरुवार को लाया जायेगा जिसे पारित कराने में कोई अड़चन नहीं दिखती। जो भी हो, देखना होगा कि अब इसे लेकर देश के मुस्लिम संगठन और विपक्षी दल आगे क्या कदम उठाते हैं।

# नीला ड्रम, स्टोव बनाम स्त्री विमर्श

**मेरठ में सौरभ हत्याकांड के बाद नीला ड्रम काफी चर्चा में आ गया है। सौरभ की पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर हत्या की थी और फिर सौरभ के शव के 15 टुकड़े कर के उसे एक ड्रम में भरा और ऊपर से सीमेंट डाल दिया था**

पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चौनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है। मेरठ में सौरभ हत्याकांड के बाद नीला ड्रम काफी चर्चा में आ गया है। सौरभ की पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर हत्या की थी और फिर सौरभ के शव के 15 टुकड़े कर के उसे एक ड्रम में भरा और ऊपर से सीमेंट डाल दिया था। फिलहाल दोनों आरोपी जेल में हैं और पुलिस इस मामले की हर कोण से जांच कर रही है। शुरुआत में इसमें तांत्रिक क्रिया के होने का संदेह था, लेकिन इससे पुलिस ने इंकार कर दिया है। यानी यह हत्याकांड गलत तरीके से चल रहे प्रेम संबंध की परिणति है। हत्या के बाद शव के टुकड़े करने जैसा वीभत्स काम कोई पहली बार नहीं हुआ है, न ही अवैध प्रेम संबंध के चलते पति या पत्नी में से किसी एक की हत्या की घटना पहली बार हुई है। ऐसे कई खौफनाक अपराध इसी समाज में घट चुके हैं। याद करें तो नैना साहनी को मारकर तंदूर में डाल दिया गया था। इंद्राणी मुखर्जी ने अपनी ही बेटी की हत्या करवा कर उसकी लाश को जंगल में फिंकवाया था और हत्या के पहले अपनी बेटी को वह छोटी बहन बताती थी। अभी पिछले ही साल गोवा के एक होटल में एक मां ने अपने 4 साल के बेटे की हत्या कर दी। इसके बाद शव को बैग में भरकर टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। इन घटनाओं को याद करना दुखद है, लेकिन उससे भी दुखद बात ये है कि ऐसी एक घटना के धब्बे हल्के पड़ते नहीं कि, दूसरा भयावह प्रसंग खड़ा हो जाता है। इस तरह की खबरों पर अक्सर समाचारों में लिखा जाता है कि समाज दहल गया, सिहर गया, चौंक गया आदि, लेकिन क्या वाकई समाज में अब संवेदनशीलता बाकी रह गई है। क्योंकि संवेदनाएं होती तो ऐसी खबरों की अधिकता न होती। पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चौनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है। लोगों के वक्त का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखने या पढ़ने में चला जाता है। समाज में कहीं कोई घटना घटी नहीं कि फौरन उस पर मीम्स, रील्स बनकर वायरल हो जाते हैं। अब तो ग्रोक की मदद से तरह–तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं और हर कोई घिबली आर्ट से अपना एनिमेटेड अवतार बना रहा है। सोशल मीडिया पर इस तरह के चलन कई बार चलते हैं। एक लहर सी आती है, समाज उसमें बहने लगता है, फिर वो लहर लौटती है, पीछे जो कचरा बच जाता है, उसे साफ करने का कोई उपाय नहीं रहता, तब तक दूसरी लहर आ जाती है। इसी तरह सोशल मीडिया के समुद्र में समाज गोते लगा रहा है। लेकिन तटस्थ होकर सोचें तो सोशल मीडिया में हम असल मायनों में सोशल होने की पहचान को ही खोते जा रहे हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है तो समाज की भलाई की चिंता उसे होनी चाहिए। लेकिन अभी समाज किस दिशा में जा रहा है, इसकी कोई परवाह ही नहीं हो रही है। खबरों पर फौरन प्रतिक्रिया देने या उसे वायरल करने या जरूरत से ज्यादा वक्त उस पर बिताने में हम भूल रहे हैं कि इन सबका कितना नुकसान समाज को हो रहा है। सोशल मीडिया कई जरूरी मुद्दों और विमर्शों को भी भटका रहा है।

जैसे सौरभ हत्याकांड के बाद चर्चा में आए नीले ड्रम का जिर्क मैंने किया। खबर आई कि मेरठ के व्यापारी अब नीला ड्रम खरीदने वालों से पहचान पत्र भी मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब नीले की जगह लोग सफेद या नारंगी रंग के ड्रम खरीद रहे हैं। इसी तरह हापुड़ की खबर आई कि एक व्यक्ति ने पुलिस से गुहार लगाई कि उसे बचा लिया जाए, उसकी पत्नी के अवैध संबंध हैं और वो सौरभ की तरह उसे मार सकती है। ग्वालियर में भी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के खिलाफ इसी तरह की शिकायतें दर्ज कराईं, हालांकि महिला थाना में पत्नी ने पति के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया हुआ है। पन्ना में तो एक पति ने अपनी पत्नी पर मारपीट करने के इल्जाम लगाए और बतौर सबूत छुपे हुए कैमरे से रिकार्डिंग भी पेश की, जिसमें पत्नी पति को मारती हुई दिख रही है। इन सारी घटनाओं में कितना सत्य है और असल में पीड़ित कौन है, इसका पता तो जांच के बाद ही चलेगा। लेकिन इतना तय है कि विवाह संस्था पर अब पहले से अधिक खतरे बढ़ गए हैं। रिश्तों में दरारें पड़ना अचरज की बात नहीं है, लेकिन अब उन दरारों से जो आधी–अधूरी सच्चाई के साथ सनसनीखेज खबरें बाहर आ रही हैं, उसे लेकर समाज को फिक्रमंद होना चाहिए, क्योंकि आखिर में तो ये घटनाएं हमारा ही अक्स दिखा रही हैं। उपरोक्त तमाम घटनाओं में गौर करने की बात ये है कि पीड़ित पक्ष पुरुष को दिखाया गया है, इसलिए लोगों की दिलचस्पी इनमें ज्यादा हुई। वर्ना मुजफ्फरनगर का ही एक और मामला सामने आया है, जिसमें शादी के दो माह बाद ही पति ने पत्नी से दहेज की मांग शुरु कर दी और उसे ससुराल में आने से रोका गया, जिसके बाद पत्नी ने भी ससुराल के बाहर धरना दे दिया। दोनों संपन्न परिवारों के पढ़े–लिखे लोग हैं, पत्नी वकील है और पति आर्किटेक्ट। बहरहाल, इस घटना पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं जाता अगर पत्नी धरने पर न बैठती। क्योंकि दहेज के नाम पर कितनी प्रताड़नाएं हुई हैं, कितने स्टोव नववधुओं पर फटे हैं, कितनी बहुओं को जलाकर मार दिया गया, इसकी कोई गिनती ही नहीं है। लेकिन दहेज हत्या को समाज सामान्य तरीके से लेता रहा, इसलिए दहेज पर कानूनी रोक होने के बावजूद समाज में कोई प्रतिबंध नहीं लगा। वरिष्ठ पत्रकार और देशबन्धु के स्तंभकार शकील अख्तर ने लिखा भी कि स्टोव खरीदने से पहले किसी का पहचान पत्र नहीं मांगा गया। वाजिब बिंदु है कि नीले ड्रम को लेकर अनावश्यक सनसनी खड़ी की गई, ताकि सौरभ की हत्या और उसके शव के साथ किया गया सलूक याद रहे। लेकिन इस देश में हजारों लड़कियों को दहेज के नाम पर अकाल मौत दी गई, क्या उनके साथ किए गए सलूक को याद रखने के लिए कोई पहल की गई। अगर हत्या न भी हो, तब भी इस देश की महिलाओं को अनगिनत अत्याचारों से गुजरना पड़ा है और अब भी ऐसा हो रहा है।

# तालमेल पर ध्यान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर यात्रा में संघ मुख्यालय जाना एक बड़ा कदम है। इससे उनके और संघ के बीच संबंधों में सुधार हुआ है। इस यात्रा से भविष्य में पार्टी और सरकार में महत्वपूर्ण फैसलों में सहजता और सामंजस्य आने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपनी नागपुर यात्रा के दौरान हालांकि कई कार्यक्रमों में शिरकत की, लेकिन इस दौरे का सबसे खास पहलू था उनका संघ मुख्यालय जाना। नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री कभी वहां नहीं गए थे। उनसे पहले संघ मुख्यालय जाने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी रहे।

**समर्पण के बावजूद:** वैसे तो पीएम मोदी संघ प्रचारक रहे हैं, संघ की सोच और उसके अजेंडा को लेकर उनका समर्पण संदेहों से परे रहा है, फिर भी कई वजहों से केंद्र सरकार और संघ के बीच रिश्तों में कथित रूप से थोड़ी असहजता देखी जा रही थी। पिछले साल बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनावों से पहले कहा था कि पार्टी अब इतनी समर्थ हो गई है कि उसे संघ के सहारे की जरूरत नहीं। इस बयान को भी दोनों के रिश्तों में असहजता से जोड़कर देखा गया।

**उदासीनता का नतीजा:** खैर, औपचारिक तौर पर संघ की कोई बीजेपी अध्यक्ष के इस बयान पर प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन जब लोकसभा चुनावों में बीजेपी अबकी बार चार सौ पारश के दावों के बीच अपने दम पर बहुमत भी हासिल नहीं कर पाई तो माना गया कि संघ की कथित नाराजगी से उपजी उदासीनता की इसमें बड़ी भूमिका रही। इसके बाद दोनों तरफ से गलतफहमियां दूर करने की कोशिशों का नतीजा हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बीजेपी को मिली अप्रत्याशित सफलता को माना गया। अब पीएम मोदी की इस यात्रा ने रहा–सहा संदेह भी दूर करने का काम किया है।

**सहमति के संकेत:** आरएसएस से बीजेपी के रिश्तों के संदर्भ से अलग हटकर देखें तो भारतीय राजनीति को प्रभावित करने वाले कुछ और अहम सवाल भी इस यात्रा से जोड़े जाते रहे हैं। ऐसा ही एक सवाल अगले पार्टी अध्यक्ष के नाम पर सहमति बनने का है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा पार्टी और सरकार के भविष्य के लिहाज से अहम माने जाने वाले ऐसे कई मसलों पर फैसलों में तेजी लाएगी।

# वक्फ में सुधार

वक्फ संशोधन बिल पर सत्ता और विपक्ष में मतभेद कायम है, लेकिन सरकार ने सुधार के प्रयास किए हैं। बिल वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए है। मुख्य विवाद महिलाओं और गैर–मुस्लिम सदस्यों की भागीदारी पर है। संवाद और भरोसे की कमी बाधा बनी है। वक्फ संपत्तियों की व्यवस्था में सुधार की जरूरत से इंकार नहीं किया जा सकता। वक्फ संशोधन बिल पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति की उम्मीद तो किसी को नहीं, लेकिन गतिरोध को कम से कम करने का प्रयास जरूर होना चाहिए। इस बिल का असर एक बड़ी आबादी पर पड़ेगा। अगर उसकी चिंताओं को दूर नहीं किया गया तो बिल का मकसद अधूरा रह जाएगा।

**विपक्ष की बात:** सरकार ने पिछले साल अगस्त में वक्फ संशोधन से जुड़ा नया बिल लोकसभा में पेश किया था। तब विपक्ष के विरोध के चलते इसे संयुक्त संसदीय कमिटी के पास भेज दिया गया। इस साल फरवरी में कमिटी ने अपनी रिपोर्ट दी, फिर केंद्रीय कैबिनेट ने उसे मंजूरी दी। सरकार का कहना है कि उसने विपक्ष की बात भी सुनी है।

## पुलिस चौकी से चंद दूरी पर मिला अधेड़ का जला हुआ शव

गोरखपुर। गोरखपुर के बांसगांव थानाक्षेत्र में शनिवार की सुबह एक अधेड़ का शव मिला। शव पूरी तरह से जला हुआ था। पुलिस की टीम मौके पर पहुंच जांच कर रही है। जहां शव मिला है उसके चंद कदम के फासले पर पुलिस चौकी है।

बांसगांव थाना क्षेत्र हरनहीं चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर हत्या कर शव को जला दिया गया। पुलिसर चौकी के ठीक बगल में हुई इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी है। शव की पहचान बांसगांव इलाके के निवासी रामशब्द (50) के रूप में हुई।

जानकारों ने बताया कि रामशब्द खजनी इलाके में ही एक हॉस्पिटल में साफ सफाई का करते थे। मौके पर पुहंचे तीनों बेटों ने किसी से विवाद या दुश्मनी की बात से इंकार किया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस के जिम्मेदार अगर रात की गश्ती और अपनी जिम्मेदारी निभाते तो ऐसी घटना नहीं होती। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

## होटल में लेकर किशोरी से दुष्कम

**युवकों ने किया ब्लैकमेल, गोरखपुर लाकर बनाया संबंध- फिर आया इस होटल का नाम**

गोरखपुर। पीड़िता का घर महराजगंज जिले के पनियरा इलाके में है। पीड़िता को पढ़ाने के लिए उसकी मां गुलरिहा इलाके स्थित मायके में रह रही है। यहां एक इंटर कॉलेज में किशोरी 11वीं में पढ़ती है। पीड़िता की मां ने तहरीर देकर बताया कि बेटी को स्कूल आते–जाते अजीत अपने दोस्तों प्रिंस और विपिन के साथ आए दिन छेड़छाड़ करता था। देह व्यापार के लिए बदनाम शाहपुर के फ्लाइ इन होटल का एक बार फिर नाम सामने आया है। गुलरिहा क्षेत्र में 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा को महराजगंज के नटवा जंगल स्थित घर ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है।

आरोप है कि घटना का वीडियो बनाकर पांच माह से ब्लैकमेल कर युवक शारीरिक संबंध बना रहा था। शाहपुर इलाके के फ्लाई इन होटल में भी किशोरी को ले जाकर आरोपी युवक ने संबंध बनाया। पीड़िता की मां की तहरीर पर महराजगंज के श्यामदेउरवां के अजीत उर्फ मंटू चौहान, प्रिंस और विपिन के खिलाफ गुलरिहा थाने में पुलिस ने केस दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़िता का घर महराजगंज जिले के पनियरा इलाके में है। पीड़िता को पढ़ाने के लिए उसकी मां गुलरिहा इलाके स्थित मायके में रह रही है। यहां एक इंटर कॉलेज में किशोरी 11वीं में पढ़ती है। पीड़िता की मां ने तहरीर देकर बताया कि बेटी को स्कूल आते–जाते अजीत अपने दोस्तों प्रिंस और विपिन के साथ आए दिन छेड़छाड़ करता था।

डरा कर अजीत ने बेटी को एक मोबाइल दिया, जिससे रोज बात करने लगा। 28 अक्तूबर 2024 को अजीत अपने माता–पिता से मिलवाने का झांसा देकर महराजगंज के श्यादेउरवा के जंगल नटवा में अपने घर लेकर गया। वहां बेटी के साथ दुष्कर्म किया और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा।22 नवंबर 2024 को शाहपुर इलाके फ्लाई इन होटल में लेकर वहां पर भी उसके साथ संबंध बनाया।

अब धमकी देता है कि जहां भी बुलाउंगा, वहां पर आना पड़ेगा वरना वीडियो वायरल कर दूंगा। इस संबंध में सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगी है।

## गोरखपुर डीडीयू : बीए–एलएलबी के 500 छात्रों की डिग्री गलत छपी

गोरखपुर। पिछले दिनों अधिवक्ता पंजीकरण के लिए हुए साक्षात्कार में डिग्री के साथ बहुत से छात्र–छात्राएं पहुंचे थे। वहां इनकी डिग्री पर 'बीए एलएलबी ऑनर्स' की जगह 'बैचलर ऑफ आर्ट्स एंड बैचलर ऑफ लॉज' लिखा देखकर साक्षात्कार लेने आए विशेषज्ञ चौंक गए।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में डिग्री छपाई में बड़ी लापरवाही सामने आई है। 500 छात्रों की डिग्री में विषय का नाम ही गलत छप गया है। अधिवक्ता साक्षात्कार के लिए डिग्री ले जाने पर सचाई सामने आई है। अब विश्वविद्यालय प्रशासन डिग्री वापस मंगवा रहा है।

पिछले दिनों अधिवक्ता पंजीकरण के लिए हुए साक्षात्कार में डिग्री के साथ बहुत से छात्र–छात्राएं पहुंचे थे। वहां इनकी डिग्री पर 'बीए एलएलबी ऑनर्स' की जगह 'बैचलर ऑफ आर्ट्स एंड बैचलर ऑफ लॉज' लिखा देखकर साक्षात्कार लेने आए विशेषज्ञ चौंक गए। उन्होंने डिग्री ठीक कराने की नसीहत दी, जिसके बाद छात्र परेशान हो गए। छात्रों ने इसकी शिकायत डीडीयू प्रशासन से की, जिसके बाद यह लापरवाही उजागर हुई। विश्वविद्यालय में सत्र 2018–19 में बीए एलएलबी का पांच वर्षीय कोर्स पहली बार शुरू हुआ था।

पांच साल पढ़ाई पूरी करने के बाद पहला बैच 2023 और दूसरा सत्र 2024 में उत्तीर्ण हुआ। इन दोनों बैच के छात्रों की डिग्री मार्च के अंतिम हफ्ते में बनकर तैयार हुई और वितरित होनी शुरू हुई। सत्र 2023 और 2024 में उत्तीर्ण छात्रों की डिग्री में 'बैचलर ऑफ आर्ट्स एंड बैचलर ऑफ लॉज' लिखा है। जबकि इस पर 'बीए एलएलबी ऑनर्स' होना चाहिए था।

# पत्नी की हथौड़े से हत्या

**इंजीनियर बेगम को मारकर सीधे पहुंचा थाने, बोला- मैंने उसे मार दिया, गिरफ्तार कर लो**

– सेक्टर–15 के घर में सिर पर हथौड़ा मारकर की हत्या

–इंजीनियर पत्नी की हत्या कर पति पहुंचा थाने, बोला मुझे गिरफ्तार कर लो

गोरखपुर। नोएडा सेक्टर–15 निवासी इंजीनियर महिला के सिर पर हथौड़ा मारकर पति ने हत्या कर दी। शुक्रवार दोपहर वारदात के बाद पति थाने पहुंच गया। जहां उसने कहा कि मुझे गिरफ्तार कर लो, मैंने पत्नी को मार डाला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपी मूल रूप से चंपारण बिहार निवासी नुरुल्लाह हैदर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हत्या अवैध संबंधों के शक में की गई है। मामले की जांच जारी है।

### पत्नी पर हमेशा शक करता था नुरुल्लाह

डीसीपी रामबदन सिंह के मुताबिक वर्ष 2004 में एमसीए पास नुरुल्लाह हैदर की शादी जामिया नगर दिल्ली निवासी आसमां खान (42) से हुई थी। शादी के बाद नुरुल्लाह लंबे समय से बेरोजगार था जबकि आसमां सेक्टर–62 की निजी कंपनी में सिविल इंजीनियर थीं। दोनों का सेक्टर–15 के सी ब्लॉक में अपना मकान है। जिसमें वह बेटी और बेटे संग रहते थे। पुलिस अधिकारी के मुताबिक नुरुल्लाह पत्नी पर हमेशा शक करता था। इसी बात को लेकर बृहस्पतिवार शाम और शुक्रवार सुबह दोनों के बीच झगड़ा हुआ।

### आसमां को मारकर थाने पहुंचा नुरुल्लाह

शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे के आसपास नुरुल्लाह आसमां को धक्का देकर पहली मंजिल स्थित कमरे में ले गया। जहां हथौड़े से सिर पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद वह घर से निकलकर कोतवाली सेक्टर–20 थाने पहुंच गया। नोएडा के डीसीपी रामबदन सिंह के मुताबिक अवैध संबंधों के शक में पत्नी की हत्या पति ने की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### अगर बेटे की बात मान लेती तो नहीं जाती जान

नुरुल्लाह ने बृहस्पतिवार को रातभर आसमां से झगड़ा किया तो शुक्रवार सुबह पांच बजे फोन कर आसमां के घर के रिश्तेदार व मां नोएडा पहुंचे थे। इसके बाद दोपहर के वक्त बेटे ने रिश्तेदारों से कहा कि मां को अपने साथ कुछ दिन के लिए लेते जाइए लेकिन आसमां ने जाने से मना कर दी। तब आसमां की मां यहीं रूक गई। दोपहर बाद सभी अपने कमरे में थे। तभी नुरुल्लाह ने इस वारदात को अंजाम दिया।

## गोरखपुर में महसूस किए गए भूकंप के झटके

**उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में शुक्रवार शाम को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र नेपाल बताया जा रहा है। नेपाल में भी देर शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5 मापी गई। झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर भागने लगे। सिर्फ नेपाल ही नहीं बल्कि उत्तर भारत में भी लोगों को भूकंप का हल्का झटका महसूस हुआ।**

डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में शुक्रवार शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र नेपाल बताया जा रहा है। बता दें कि नेपाल में शुक्रवार की देर शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5 मापी गई।

झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर भागने लगे। सिर्फ नेपाल ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत में भी लोगों को भूकंप का हल्का झटका महसूस हुआ।बता दें कि अभी कुछ दिन पहले म्यामांर में 7 तीव्रता से भी ज्यादा का भूकंप आया था। इसमें जान–माल की काफी हानि हुई थी। इस भूकंप में हजारों लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी और कई बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गई थी।

# आग का कहर: गोरखपुर में 45 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख

**गोरखपुर में आग का कहर जारी है। गुरुवार को पीपीगंज के जंगल कौड़िया गोला व सहजनवां के विभिन्न गांवों में लगी आग से 45 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। तेज पछुआ हवा के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। लोगों ने मशक्कत कर आग पर काबू पाया। लेखपाल ने पीड़ित किसानों की मदद की बात कही है।**

गोरखपुर। आग का कहर जारी है। गुरुवार को पीपीगंज के जंगल कौड़िया, गोला व सहजनवां के विभिन्न गांवों में लगी आग से 45 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। तेज पछुआ हवा के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। लोगों ने मशक्कत कर आग पर काबू पाया। सहजनवां के नगर पंचायत घघसरा में गुरुवार की सुबह आग लगने से वार्ड संख्या चार दीनदयाल नगर के बिसरी व रामडीह तोरनी के सिवान में 32 एकड़ गेहूं की फसल जल गई। आग लगने की सूचना पर पहुंचे लोग ट्रैक्टर से गेहूं की खड़ी फसल जोतने लगे, जिससे कि आग फैलने न पाए।

सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने लोगों से सहयोग से आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक चंद्रमौलि त्रिपाठी, हरेराम, चंद्र नारायण त्रिपाठी, शंभू त्रिपाठी, अनिरुद्ध, विश्राम, राजेश, चंद्रशेखर, अमरनाथ, रविंद्र मिश्रा, संजय तिवारी, ब्रह्मदेव मिश्रा, ब्रह्मदेव तिवारी, कैलाश तिवारी ,भोला तिवारी, राधे मिश्रा, अमर मिश्रा, हनुमान यादव, रामानंद यादव, दुर्विजय सिंह, राकेश सिंह, रामकवल सिंह, अंगिरा देवी, कृपा शंकर, बेचन, कमलेश आदि की फसल जल गई है। लेखपाल ने पीड़ित किसानों की मदद की बात कही है। गोला तहसील के जानीपुर क्षेत्र के केश्वपार गांव में गुरुवार की अपराह्न सवा दो बजे गांव के बच्चों द्वारा डंठल जलाकर खेत में खेल मैदान बनाया जा रहा था। इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते आठ एकड़ खेत की फसल व डंठल जल गया। फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंचती तब तक ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था।

सहजनवां के भीटी रावत के कसरवल में गुरुवार की शाम चार बजे अज्ञात कारण से राजकुमार यादव, सरफुद्दीन, समसुद्दीन व जुल्फिकार के खेत में आग लग गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। उसके पहुंचने से पहले ही गांव के लोगों ने आग बुझा लिया, लेकिन तीन एकड़ फसल जलकर राख हो गई। हल्का लेखपाल अमरेंद्र यादव ने बताया कि मौके पर गया था। नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर तहसीलदार को दे दी गई है।

जंगल कौड़िया के रसूलपुर चकिया के सिवान में गुरुवार दोपहर एक बजे दीपक गुप्ता के गेहूं के खेत में आग लग गई। धुआं उठता देख पास के परम ज्योति इंटर कालेज शिक्षक व कर्मचारी मौके पर पहुंच आग बुझाने लगे। प्रधानाचार्य ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

ग्रामीणों के पहुंचने से पहले ही पुलिस पहुंच गई। सभी ने मिलकर आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक आधा एकड़ फसल जल गई थी। गांव के लोगों का कहना है कि शिक्षक व पुलिस के लोगों ने मेहनत नहीं की होती तो रसूलपुर चकिया, नयागांव व डाढ़ाडीह गांव के खेत जल गए होते। जहां आग लगी, वहां एक माचिस की डिब्बी पड़ी थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि किसी ने लगाई थी।

# साहब...पत्नी दे रही नीले ड्रम में भरने की धमकी

*बोली–सीमेंट भी ले आई हूं परेशान टीचर ने एसपी से लगाई गुहार*

*सदर क्षेत्र के एक मुहल्ला के शिक्षक ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की धमकी भरा वीडियो भी किया प्रसारित, 139 वीडियो यू–ट्यूब अकाउंट पर डालने का दावा*

**संवाददाता, उन्नाव।** मेरठ में सौरभ हत्याकांड के नीले ड्रम की हर जगह चर्चा है। इसी बीच सदर क्षेत्र के एक मुहल्ला के प्राइवेट विद्यालय के शिक्षक ने अपनी पत्नी पर गंभीर आरोप लगा एसपी को तहरीर दी है। आरोप लगाया कि पत्नी की किसी और से नजदीकी है। वह चार–चार दिन घर से गायब रहती है। टोकने पर जूते से मारने को दौड़ती है। उसने नीले ड्रम और बक्से में भरने व सीमेंट लाकर रखने की धमकी दी है।

शिक्षक ने धमकी का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया है। शिक्षक के अनुसार उसने पत्नी की प्रताड़ना के 139 वीडियो बनाकर वह अपने यू–ट्यूब अकाउंट पर डाले हैं।

***मासूम बेटे के साथ एसपी कार्यालय पहुंचा पीड़ित शिक्षक***

पीड़ित शिक्षक मंगलवार को अपने मासूम बेटे के साथ एसपी दीपक भूकर के कार्यालय पहुंचा। शिकायती पत्र देकर बताया कि वह पेशे से शिक्षक है। वर्ष 2013 में उसकी शादी हुई थी। पत्नी की किसी दूसरे युवक से नजदीकी है। जब उसने विरोध किया तो मारपीट की। घर के सदस्यों से गाली–गलौज करती है। रविवार 31 मार्च को पत्नी ने ड्रम में भर देने व सीमेंट लाकर रखने की धमकी दी थी। शिक्षक ने बताया कि उसने धमकी का वीडियो भी बनाया है। पत्नी अक्सर उसे धमकी देती है। उसके साथ कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। एसपी दीपक भूकर ने महिला थाना प्रभारी रेखा सिंह को जांच के निर्देश दिए हैं।

# सीएम योगी बने शिक्षक

## बरेली में बच्चों को अनुशासन और मेहनत की दी सीख, चाकलेट बांटी... सेल्फी भी ली

बरेली । नवाबगंज क्षेत्र के अधकटा नजराना स्थित अटल आवासीय विद्यालय के लोकार्पण पर सीएम योगी का अलग अंदाज दिखा। वह स्कूली बच्चों से घुल–मिल गए। उन्हें अनुशासन और मेहनत की सीख दी। बच्चों के साथ सेल्फी भी ली।

बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नवाबगंज क्षेत्र के अधकटा नजराना में 73 करोड़ की लागत से तैयार अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में अटल आवासीय विद्यालय बनाए जा रहे हैं। नई पीढ़ी को इन विद्यालयों से राष्ट्रवाद की शिक्षा मिलेगी। ये विद्यालय राष्ट्रभक्त तैयार करने के साथ ही राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। आवासीय विद्यालय में कुछ देर के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक बन गए। उन्होंने बच्चों से सवाल किए। जवाब सुनकर मुस्कुराए और पुरस्कार में टॉफी दी। बच्चों को दुलारते हुए मेहनत करने की सीख दी। मंच पर पांच बच्चों को शैक्षिक किट दी। अभिभावकों को भी नसीहत दी। सीएम ने बच्चों संग सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश में 100 अटल आवासीय विद्यालयों के निर्माण की योजना शुरू की थी। 16 विद्यालय बनकर शुरू हो गए हैं। बरेली में 17वां विद्यालय बनकर तैयार है। यहां श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा मिलेगी। अभी

तक यहां के बच्चे लखनऊ में पढ़ रहे थे। इस वर्ष से छठवीं और नौवीं कक्षा के बच्चे यहां पढ़ने आ गए हैं। जो बच्चे छठवीं से सातवीं और नौवीं से दसवीं में गए हैं, उनको 15 अप्रैल को यहां शिफ्ट किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बच्चों–अभिभावकों से दोतरफा संवाद किया। बरेली की नौवीं कक्षा की दुर्गेश कुमारी से सीएम ने पहले नाम पूछा, फिर बोले– अच्छे से पढ़ाई करना। दुर्गेश ने अपने जवाब से सीएम को आश्वस्त किया। बदायूं के अंशदेव गौतम ने सीएम से कहा कि उन्हें यहां का वातावरण बहुत अच्छा लगा। बदायूं के ही शिवांश ने बताया कि सीएम ने नाम–पता पूछने के साथ ही कक्षा की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से कहा कि सरकार पर विश्वास रखें। बच्चों को बार–बार घर न बुलाएं। बच्चों से कहा कि अनुशासन में रहिएगा। समय पर जागिए, भोजन लीजिए, खेलकूद और पढ़ाई कीजिए। इसके अलावा कोई और एजेंडा नहीं होना चाहिए।

***सीएम ने रोपा रुद्राक्ष का पौधा***

अटल आवासीय विद्यालय परिसर में मुख्यमंत्री ने रुद्राक्ष का पौधा लगाया। विद्यालय प्रांगण में मित्रवन, वेटलैंड संरक्षण वन, विरासत वन, मियावाकी पद्धति का प्रचार करने के लिए वन विभाग ने प्रदर्शनी भी लगाई।

***गायों को खिलाया गुड़***

मुख्यमंत्री ने अधकटा नजराना के वृहद गो संरक्षण केंद्र पहुंचकर गायों को गुड़ खिलाया। जिम्मेदारों से बोले– हरे चारे की कमी न पड़ने दें। वहीं, इस केंद्र की तस्वीर मंगलवार को बदली दिखाई दी। पहले परिसर में कई जगह गंदगी दिखती थी, पर मंगलवार को सब ठीक मिला। 28 फरवरी से पहले इस गो संरक्षण केंद्र की जिम्मेदारी एक एनजीओ के पास थी। तब डीएम ने खुद यहां की बदहाली देखी थी और एनजीओ से काम छीनकर ग्राम पंचायत को जिम्मेदारी दी गई थी। ग्राम पंचायत ने दस केयर टेकर रखे। पूरे केंद्र की सफाई कराई। चहारदीवारी बनाई गई। पानी की टंकी की सफाई कराई गई। गाय, बछड़े, बछिया अलग–अलग रखे गए। ग्राम प्रधान पूजा ने बताया कि गायों को गर्मी से बचाने के लिए शेड में 67 पंखे भी लगाए गए हैं।

*रील बनाने और महंगी बाइकों का शौकीन, कातिल सौरभ को लेकर चौंकाने वाला*

# इंजीनियर का कत्ल,मिस्टर सनकी...

प्रयागराज। प्रयागराज में वायुसेना परिसर में घुसकर कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या का आरोपी सौरभ कुमार उर्फ बाबू पासी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। हत्यारोपी ने महीने भर पहले ही 1.5 लाख का आईफोन खरीदा था। आरोपी को रील बनाने और महंगी बाइकों का शौक है। वायुसेना परिसर में घुसकर कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या का आरोपी सौरभ कुमार उर्फ बाबू पासी दुस्साहसी होने के साथ ही महंगे शौक भी रखता था। महीने भर पहले ही उसने 1.5 लाख का आईफोन खरीदा था। रील बनाने और महंगी बाइकों का शौकीन होने के साथ ही उसे खुद को सनकी कहा जाना भी बहुत भाता था। उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के बायो में भी खुद को 'मिस्टर सनकी' लिखा रखा था। बम्हरौली के लाला बिहारा स्थित उसकी बस्ती में रहने वाले कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर यह बातें बताईं। बताया कि वह अक्सर कहता था कि उसे जिस चीज की सनक चढ़ जाए, वह उसे करके रहता है। उसने इंस्टाग्राम पर अपने अकाउंट के बायो में भी यही लिख रखा था।

***सफाईकर्मी मां–बाप की कमाई से चलता था घर***

इसके अलावा वह महंगी बाइक और मोबाइल फोन का शौकीन था। घर सफाईकर्मी मां–बाप की कमाई से चलता था, लेकिन वह कोई काम नहीं करता था। कुछ दिनों तक उसने वायुसेना कैंपस में ही मजदूर का काम किया, लेकिन उसके महंगे शौक की वजह से ज्यादा दिन उसका काम में मन नहीं लगा।

***वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया पोस्ट***

सौरभ के मोहल्ले में रहने वाले शख्स ने बताया कि 12 फरवरी को उसने 1.5 लाख का आईफोन 16 प्रो मैक्स खरीदा था। आईफोन खरीदने के दौरान उसने वीडियो भी बनाया और इसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर भी किया। आईफोन खरीदने का मकसद रील

बनाना और दोस्तों व जानने वालों के बीच भौकाल जमाना था। इसी फोन से वह रील बनाकर सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करता था। इसके अलावा उसने एक महंगी बाइक भी खरीदी थी।

***चोरी करने पहुंचे युवक ने की थी कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या***

भारतीय वायुसेना के बमरौली स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय परिसर में कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्र (51) की हत्या के मामले का सोमवार को खुलासा हो गया। पुलिस का दावा है कि चोरी की नीयत से पहुंचे बदमाश ने वारदात अंजाम दी। वारदात की साजिश में वायुसेना कैंपस में अफसरों के घरों में काम करने वाले उसके माता–पिता भी शामिल थे। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपर पुलिस आयुक्त अपराध डॉ. अजयपाल शर्मा ने बताया कि आरोपी सौरभ कुमार उर्फ बाबू पासी वायुसेना परिसर से लगभग 1.5 किमी दूरी पर स्थित लाल बिहारा गांव की बस्ती में रहता है। उसकी मां सुनीता और पिता शिवकुमार वायुसेना परिसर में संविदा कर्मचारी हैं। पिता सफाईकर्मी है, जबकि मां घरों में काम करती है।

***नाकाम रहने पर गोली मारकर की हत्या***

सौरभ ने पूछताछ में बताया कि उसकी मां पहले एक–दो बार कमांडर वर्क इंजीनियर के घर जा चुकी थी। एक साल पहले तक वह भी वायुसेना परिसर में ठेके पर मजदूरी करता था। एक बार लकड़ी का मंदिर पहुंचाने वह भी अफसर के घर जा चुका था। यह भी बताया कि उसका बड़ा भाई हनी उर्फ गौतम 25 जनवरी को कौशाम्बी में हुई हत्या के मामले में वहां की जेल में बंद है। उसे छुड़ाने के लिए परिवार को रुपयों की जरूरत थी। अफसर का घर वायुसेना परिसर की बाहरी दीवार से 10–15 मीटर की दूरी पर है। उसे लगा कि वहां उसे 10 लाख तक नकदी मिल जाएगी। उसने घर में चोरी की साजिश रची। इसमें अपने मां–बाप को भी शामिल कर लिया। उसने साजिश के मुताबिक 29 मार्च की भोर में अफसर के घर पहुंचकर भीतर घुसने का प्रयास किया। नाकाम रहने पर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और वहां से भाग निकला।

***देशी पिस्टल से मारी गोली, बैग में तमंचा भी लिए था***

डीसीपी अभिषेक भारती के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अफसर को देशी पिस्टल से गोली मारी थी। वारदात के वक्त उसके बैग में एक तमंचा भी था। यह असलहे उसने पूरामुफ्ती के ही एक स्थानीय तस्कर से खरीदे थे। डीसीपी ने बताया कि तस्कर को भी हिरासत में ले लिया गया है। साथ ही दोनों असलहे व चार कारतूस भी बरामद हो गए हैं। इसके अतिरिक्त एक पोर्टेबल गैस कटर भी बरामद किया गया है, जिससे अफसर के घर के दरवाजे में सुराख किया गया था।

***सीसीटीवी फुटेज से हुआ ट्रेस***

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की तस्वीर अफसर के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। उसने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। फुटेज के सहारे ही छानबीन शुरू की गई। आसपास फुटेज दिखाकर पड़ताल की गई तो हुलिये के आधार पर आरोपी का नाम सामने आया।

***13 मार्च की रात भी पहुंचा था चोरी करने***

आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में यह भी बताया कि 13 मार्च की रात को भी उसने अफसर के घर चोरी का प्रयास किया था। उस रात वह एक साथी के साथ वहां पहुंचा था। दरवाजा काटने का प्रयास किया था, लेकिन अफसर के शोर मचाने पर औजार छोड़कर भाग निकला। अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि 13 मार्च की रात उसके साथ गए युवक को भी चिह्नित कर हिरासत में ले लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

# अन्नदाता की आंखों में आंसू

## राख में तब्दील हुई किसान की मेहनत, डेढ़ लाख की कटी गेहूं की फसल में लगी आग

झांसी। दोपहर के समय अचानक किसान की कटी गेहूं की फसल में आ लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। किसान जितेंद्र और उसकी पत्नी का रो–रोकर बुर हाल है। आग लगने की वजह से जितेंद्र की लगभग डेढ़ लाख की फसल जलकर नष्ट हो गई है। झांसी के रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम बसई में मंगलवार शाम के समय एक किसान गेहूं की फसल में आग लग गई, जो थ्रेसर के लिए रखी गई थी। बसई गांव का किसान जितेंद्र अहिरवार (36) पुत्र रामदास तीन भाई है। जितेंद्र का बड़ा भाई बालवीर और छोटा भाई उपेंद्र रक्सा में रहते हैं।

जितेंद्र गांव में अपनी पत्नी रचना और दो बेटे विकेश (7) और सार्थक (5) के साथ गांव में रहता है। मजदूरी के साथ–साथ वह खेती भी करता है। इन दिनों खेतों में गेहूं की फसल की कटाई हो रही है। जितेंद्र द्वारा भी दो एकड़ में बोई गई गेहूं की फसल काटकर थ्रेसर के लिए रखी गई थी। जिसको थ्रेसर में निकालना था। जितेंद्र पत्नी से सुबह दूसरे खेत पर कहकर निकल गया।

दोपहर में पत्नी और बच्चे घर पर थे तभी अचानक 2 बजे खेत में रखी फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया बच्चे और जितेंद्र की पत्नी रचना द्वारा आग बुझाने का काफी प्रयास किया। आग लगने पर आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान भी आ गए लेकिन वह आग को नहीं बुझा सके। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों द्वारा सूचना 112 पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया। लेकिन तब तक आग पूर्ण रूप से जल चुकी थी, अचानक लगी इस आग से कोई कुछ समझ नहीं पाया। किसान जितेंद्र और उसकी पत्नी का रो–रो कर बुर हाल है। आग लगने की वजह से जितेंद्र की लगभग डेढ़ लाख की फसल जलकर नष्ट हो गई है।

# अधजले नोट... और सुलगते सवाल

## जज के घर में नकदी मामला

### अधजले नोटों के सच में इतनी परदेदारी क्यों

*दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस वर्मा के घर से अधजले नोट मिलने के मामले पर अब भी सवाल उठ रहे हैं। किसी न्यायाधीश के आवासीय परिसर में बेहिसाब नकदी क्यों? अगर आरोपों में दम नहीं तो न्यायमूर्ति का आनन–फानन इलाहाबाद तबादला क्यों? और किसी एक न्यायाधीश की वापसी को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट के वकीलों में इतनी चिंता क्यों?*

***जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर नई बहस को जन्म दिया है।***

**लखनऊ,संवाददाता।** केवल छह महीने पहले ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की लाइब्रेरी में स्थापित खुली आंखों वाली न्याय की देवी ने सोचा भी नहीं होगा कि उन्हें कुछ ऐसे दृश्य देखने को मिल सकते हैं, जिनसे बेहतर होता कि आंखों पर पट्टी बंधी ही रहती। दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर से मिले अधजले नोटों का सच कुछ भी हो, लेकिन कई सवाल जरूर सुलग उठे हैं। अब इन बातों का जवाब तो आना ही चाहिए कि किसी न्यायाधीश के आवासीय परिसर में बेहिसाब नकदी क्यों? अगर आरोपों में दम नहीं तो न्यायमूर्ति का आनन–फानन इलाहाबाद तबादला क्यों? और किसी एक न्यायाधीश की वापसी को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट के वकीलों में इतनी चिंता क्यों? न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटाने का संदेश था कि कानून अब सचेत है और पारदर्शी रूप में काम करता है तो अधजले नोटों के सच में इतनी परदेदारी क्यों?

घटनाएं बड़ी होती हैं तो जनमानस के सवाल भी बड़े होते हैं और संतोषजनक उत्तर की भी अपेक्षाएं होती हैं, लेकिन इसमें शायद समय लगे, क्योंकि प्रकरण एक न्यायाधीश से जुड़ा है। यह अलग बात है कि इस आग की तपिश प्रयागराज में स्थित सबसे बड़े न्यायिक केंद्र को भी झुलसा रही है और वहां से 'इलाहाबाद हाई कोर्ट कचरे का डिब्बा नहीं' या 'भ्रष्टाचार का अड्डा नहीं' जैसे बयानों के तीखे तीर तक चल चुके हैं।

***14 मार्च को क्या हुआ?***

जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास में आग गत 14 मार्च को लगी थी और वहां पहुंचे अग्निशमन दल को आउट हाउस में अधजले नोट मिले थे, लेकिन यह प्रकरण सार्वजनिक हुआ कई दिनों बाद। शायद न भी होता यदि कोलेजियम ने आनन–फानन बैठक बुलाकर उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरित करने का निर्णय न लिया होता।

मीडिया रिपोर्ट और मामले के तूल पकड़ने पर भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अलग–अलग हाई कोर्ट के तीन जजों की समिति गठित कर जांच का निर्देश दिया और जांच शुरू भी कर दी गई, लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के तल्ख रुख ने इसे और गरमी दे दी। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने वर्मा के तबादले का विरोध तो किया ही, हड़ताल की घोषणा भी कर दी। इस बीच न्यायमूर्ति वर्मा ने अपनी ओर से दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर सफाई भी दी कि सारे आरोप बेतुके, अविश्वसनीय और हास्यापद हैं।

कोई व्यक्ति स्टाफ क्वार्टर के पास या आउट हाउस में खुले और आसानी से सुलभ स्थान पर नकदी रखेगा, इस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। हालांकि, इसका जांच पर कोई असर नहीं पड़ा। यह अलग बात है कि जांच से पहले जस्टिस वर्मा को दोषी न मानने की आवाजें भी उठने लगीं।

***इलाहाबाद हाई कोर्ट तबादले का क्यों कर रहा विरोध***

इलाहाबाद हाई कोर्ट बार के अध्यक्ष अनिल तिवारी इस प्रकरण के सहारे कई मुद्दों को हवा दे रहे थे, जिस पर चर्चा से न्यायिक व्यवस्था बचती रही है। उन्होंने कोलेजियम सिस्टम का विरोध करने के साथ ही इलाहाबाद हाई कोर्ट में न्यायाधीशों के रिक्त पदों का मसला भी उठाया। संभवतः यह पहला अवसर था, जब किसी जज के तबादले को लेकर बार की प्रतिक्रिया इतने तीखे ढंग से आई थी, जिसमें प्रकारांतर से 'अंकल जजेज सिंड्रोम' यानी न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई–भतीजावाद को भी सामने रखा जा रहा था। इलाहाबाद हाई कोर्ट देश में सबसे बड़ा है और यहां जजों के 160 पद हैं, लेकिन इनमें केवल 84 पदों पर ही नियुक्ति है। पिछले एक दशक में कभी भी ऐसा नहीं हुआ कि यहां पूरे पद भरे गए हों। वैसे ये सारे मुद्दे पहले भी उठते रहे हैं। अवध बार एसोसिएशन ने भी इलाहाबाद हाई कोर्ट बार को अपना समर्थन दिया, लेकिन इन सारी बातों को दरकिनार करते हुए जस्टिस वर्मा का तबादला आदेश जारी कर दिया गया है।

***क्या पहले भी जजों पर लगे आरोप?***

इतना अवश्य है कि उन्हें कोई न्यायिक कार्य न देने का भी निर्देश दिया गया है। न्यायिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार के आरोपों का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व जज एस. एन. शुक्ला पर भी एक मेडिकल कॉलेज के पक्ष में फैसला देने का आरोप लगा था। कनिष्ठ अदालतों में तो इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं।

सपा सरकार में मंत्री रहे गायत्री प्रजापति को जमानत देने का मामला भी खूब चर्चित रहा था। हालांकि, बाद में इस आदेश पर रोक लगा दी गई थी। आरोपों को सच पाए जाने पर कनिष्ठ अदालतों के जजों के खिलाफ कार्रवाई भी होती रही है। सुप्रीम कोर्ट में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में एक और बदलाव हुआ है कि उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान की पुस्तक रखी गई है। न्याय की देवी को अब संविधान के सहारे वह सब करना है जो न्यायपालिका के प्रति जन विश्वास बनाए रख सके।

# ज्योति के लिए बुझा दिए दो जिंदगी के दीपक

आगरा। सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने एकतरफा प्रेम में भाई की साली को गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद युवक ने भी खुदकुशी कर ली। परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। कई दिन से मिलने के लिए दबाव बना रहा था। आगरा के गांव रहनकलां निवासी किशनवीर सिंह की तीन बेटियां भारती, ज्योति और

दीपू हैं। वर्ष 2021 में उन्होंने बड़ी बेटी भारती की शादी रामगढ़ बझेरा निवासी अजुद्दी प्रसाद के बड़े बेटे अभिषेक से की थी। ज्योति से दीपक की पहली मुलाकात भाई की शादी पर ही हुई थी। दीपक कभी कभार रहनकलां आता था। इस दौरान ही वह ज्योति से भी मिलने लगा। मगर, मन ही मन वह उसे प्यार भी करता। दो महीने पहले पिता ने ज्योति के लिए रिश्ते की बात की। इस बात की जानकारी दीपक को हुई। वह परेशान हो गया। उसे लगा कि ज्योति की शादी दूसरी जगह हो जाएगी।

### बाल कटवाने के बहाने निकला था घरसे

इस पर उसने अपनी तरफ से ही परिवार वालों से शादी की बात की। उसे लग रहा था कि सभी तैयार हो जाएंगे। मगर, ऐसा नहीं हुआ। घरवालों ने साफ इंकार कर दिया। कहा कि एक ही घर में दूसरी बेटी का रिश्ता नहीं करेंगे। इससे दीपक ज्यादा परेशान हो गया। बुधवार की सुबह 10 बजे दीपक बाइक पर घर से निकला। परिजन के पूछने पर यही कहा कि बाल कटवाने जा रहा था। वह एक घंटे बाद भाई की ससुराल पहुंच गया। ज्योति की मां सुनीता देवी से बात की। उन्होंने बेटी–दामाद की राजीखुशी ली। इसके बाद दीपक को कुर्सी पर बिठा लिया। फल प्लेट में रखकर खाने के लिए रख दिए। ज्योति उस समय अपनी भाभी के पास ऊपर के कमरे में थी। दीपक ने ज्योति के बारे में सुनीता देवी से पूछा। इस पर उन्होंने उसे आवाज देकर बुलाया। स्वयं फ्रिज से कोल्डड्रिंक लेने चली गईं। इसी दौरान ज्योति के नीचे आने पर दीपक हाथ पकड़कर उसे खींचते हुए कमरे में ले गया। दरवाजा बंद करने के बाद घटना को अंजाम दे डाला।

### घटना के समय भाई गए थे बाहर

परिजन ने बताया कि ज्योति एक कॉलेज से बीटीसी कर रही थी। उसके दो भाई हैं। बड़ा भाई पंकज फरह गया था। छोटा उमेश पढ़ने के लिए स्कूल। छोटी बहन दीपू भी बीएससी कर रही है। वह कालेज गई थीं। घटना के समय ज्योति की बहन भारती ससुराल में थी।

### एकतरफा प्रेम में भाई की साली को गोली मारकर हत्या, युवक ने की भी खुदकुशी

आगरा के एत्मादपुर के रहनकलां में एकतरफा प्रेम में एक युवक ने बुधवार को खूनी खेल खेला। शादी से इंकार पर भाई की साली की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी कनपटी पर गोली मारकर खुदकुशी कर ली।

युवक मिलने के बहाने भाई की ससुराल आया था। कमरे में बंद होकर गोली मार लीं। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शवों को निकाला। घटना से युवक और युवती के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस का कहना है कि परिजन की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जाएगी।

# पत्नी का मुंह बांधा फिर काटा गला

## इसलिए लाश के साथ 3 दिन सोता रहा पति ऐसी दरिंदगी...खड़े कर देगी रोंगटे

आगरा। पत्नी को रील बनाने का ऐसा जुनून सवार हुआ, जो उसकी मौत की वजह बन गया। पति को पसंद नहीं था कि वो रील के लिए दूसरे मर्दों से बात करती है। वो पत्नी के चरित्र पर शक करने लगा। इसी शक की वजह से उसने पत्नी की बेरहमी से जान ले ली। आगरा के सुंदरपाड़ा (थाना नाई की मंडी) में ई–रिक्शा चालक शक्ति ने पत्नी पार्वती उर्फ शिवानी की हत्या अवैध संबंध के शक में की थी। आरोपी पति को जेल भेज दिया गया है। इससे पहले उससे पूछताछ में कई जानकारी हाथ लगी हैं। पत्नी को रील बनाने का शौक था। वह कई लोगों से रील के संबंध में बात करती थी। अकेले बाहर घूमने भी चली जाती थी। इससे पति शक करने लगा था।

हत्याकांड से कुछ दिन पहले भी पत्नी बाहर गई थी। इससे वह नाराज हो गया। पत्नी का मुंह कपड़े से कसकर बांधने के बाद चाकू से गला रेत दिया। जान बच नहीं जाए, इसलिए हाथों की नस भी ब्लेड से काट दीं। इसके बाद शव ठिकाने लगाने के लिए मौके की तलाश में था। वह रात में शव के साथ ही कमरे में सोता था। दिन में पड़ोसियों से भी आराम से बात करता था।

### अनजान नंबर बने जी का जंजाल

डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि पत्नी पार्वती उर्फ शिवानी के फोन पर दिन भर मैसेज आते। कई बार वह अनजान नंबरों से बात करती थी। तब से वह शक करने लगा था। पूछने पर झगड़ा करती। 20 दिन पहले भी झगड़ा कर भोपाल चली गई। वह किसी तरह उसे मनाकर वहां से घर लेकर आया। मगर, बिना बताए अपनी भतीजी के साथ कैला देवी के दर्शन के लिए चली गई वह भी पीछे से पहुंच गया। शुक्रवार को वापस घर लौटाकर ले आया। इस पर वह झगड़ा करने लगी।

### रविवार सुबह 10 बजे दी वारदात का अंजाम

रविवार सुबह जागते ही फिर से झगड़ा करने लगी। तब उसे गुस्सा आ गया। सुबह तकरीबन 10 बजे उसका मुंह कपड़े से कस दिया, जिससे वो चीख नहीं सकी। इसके बाद रसोई में रखे चाकू से गला रेत डाला। वह तड़पने लगी। गले से खून निकल रहा था। इस पर कपड़ा लगा दिया। डर था कि पत्नी कहीं बच न जाए। इसलिए ब्लेड लेकर आया। दोनों कलाइयों की नसें भी काट दीं।

### हत्या के बाद पड़ोसी को बेचा पत्नी का मोबाइल

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पत्नी की मौत के बाद उसका मोबाइल पड़ोसी को बेच दिया। इससे जो रुपये मिले, उससे शराब पीकर घर आया। शव के बगल में जमीन पर सोता रहा। सुबह शाम निकलकर पड़ोसियों से बात करता था, जिससे कोई शक न करे। शव को ठिकाने लगाने का मौका ढूंढ़ रहा था। मगर, तब तक पत्नी की बहन गीता घर आ गई। उसने चारपाई पर पड़े शव को देख लिया। उसके आते ही वह घर से फरार हो गया। पुलिस के आने पर परिजन भी फरार हो गए।

# जेंडर बदलवाकर लड़की से बना लड़का

## फिर सहेली सविता से रचाई शादी अब पत्नी ने दिया बेटे को जन्म

संवाददाता, शाहजहांपुर में जेंडर बदलवाने वाले शरद सिंह के घर नन्हा मेहमान आया है। उनकी पत्नी ने ऑपरेशन के बाद बेटे को जन्म दिया है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में जेंडर बदलवाकर महिला से पुरुष बने शरद सिंह की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया है। परिवार में 26 साल के बाद किलकारी गूंजने से खुशी का माहौल है। शरद सिंह ने दो वर्ष पूर्व महिला मित्र सविता सिंह से विवाह किया था। शरद सिंह का पहले सरिता नाम था। दोनों पैरों से दिव्यांग सरिता ने बीएड करने के बाद शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 में उत्तीर्ण की थी। इसके बाद बेसिक शिक्षा परिषद में सहायक अध्यापक के पद पर नौकरी मिली थी। उन्हें भावलखेड़ा के एक विद्यालय में तैनाती मिली थी। इसके बाद उन्होंने अपना जेंडर बदलने की कवायद को शुरू किया था। वर्ष 2020 से 2022 के मध्य जेंडर बदलने की प्रक्रिया पूर्ण की थी।

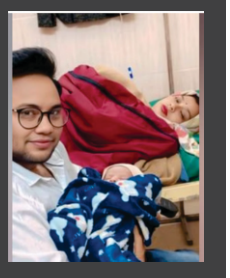

ऑपरेशन व थेरेपी के बाद चेहरे पर दाढ़ी–मूंछ उगने के साथ ही उनकी आवाज भी भारी हो गई। प्रशासन ने उन्हें पुरुष का प्रमाणपत्र भी जारी किया था। सरिता से शरद बनने के बाद वर्ष 2023 में उन्होंने पीलीभीत निवासी रिश्तेदार सविता सिंह से शादी कर ली थी।

### अश्वपरेशन के बाद दिया बच्चे को जन्म

इसके बाद सविता सिंह गर्भवती हुई। शरद ने उनकी प्रेग्नेंसी का वीडियो अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर शेयर किया था। बुधवार को सविता को प्रसव पीड़ा होने पर बरेली मोड़ स्थित एक निजी अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया। यहां उन्होंने ऑपरेशन के बाद बच्चे को जन्म दिया है। शरद सिंह अमर बलिदानी ठाकुर रोशन सिंह के प्रपौत्र हैं।

## जेएस यूनिवर्सिटी
# फर्जीवाड़ा

जांच के लिए फिर पहुंची टीम, गायब हुए स्टाफ...छात्र और कंप्यूटर आपरेटर मिले

आगरा। शिकोहाबाद की जेएस यूनिवर्सिटी के फर्जीवाड़े की जांच शुरू हो गई है। यहां पहुंची टीम ने छात्र–छात्राओं एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों के बयान दर्ज किए। जांच के दौरान उपस्थित रजिस्टर नहीं मिला। फर्जी डिग्री प्रकरण में सीडीओ की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच समिति बुधवार को जेएस यूनिवर्सिटी पहुंची। यहां उन्हें कोई भी प्रशासनिक अधिकारी मौजूद नहीं मिला। टीम ने यूनिवर्सिटी में मौजूद मिले छात्र–छात्राओं एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों के बयान दर्ज किये हैं। उन्हें वहां जांच के दौरान उपस्थिति रजिस्टर नहीं मिला। इसके चलते टीम ने जांच रिपोर्ट तैयार की है। इसे शासन को भेजा जाएगा।

राजस्थान में फर्जी डिग्री प्रकरण के खुलासे के साथ ही जेएस यूनिवर्सिटी के मुश्किलें हर रोज बढ़ रही हैं। यूनिवर्सिटी का फर्जीवाड़े में उत्तर प्रदेश सरकार के संज्ञान लेने के बाद जिला प्रशासन ने भी जांच शुरु कर दी थी।

पांच सदस्यीय जांच समिति के अध्यक्ष मुख्य विकास अधिकारी फिरोजाबाद शत्रोहन वैश्य, अपर जिलाधिकारी फिरोजाबाद विशु राजा, एसी ग्रामीण फिरोजाबाद अखिलेश भदौरिया समेत अन्य अधिकारी बुधवार दोपहर 12 बजे करीब जेएस यूनिवर्सिटी पहुंचे। अधिकारियों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में जाकर वहां जांच–पड़ताल शुरु कर दी।

टीम को यूनिवर्सिटी कैंपस में यूनिवर्सिटी का कोई भी प्रशासनिक अधिकारी कैंपस में मौजूद नहीं मिला। इसके चलते टीम ने वहां मौजूद छात्र–छात्राओं एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों से पूछताछ की। टीम ने छात्र–छात्राओं के बयान दर्ज किए। जिसमें उन्होंने कोर्सों की पढ़ाई होने, फीस जमा होने, प्रतिदिन अटेंडेंस संबंधित कई सवाल किए। जवाब छात्र–छात्राओं ने जांच समिति को दिए हैं। सूत्र बताते हैं कि कंप्यूटर ऑपरेटरों से टीम ने कंप्यूटर में यूनिवर्सिटी के कोर्सों, उनकी फीस, कोर्सों की मान्यता एवं सीटों के बारे में रिकॉर्ड मांगे, लेकिन कंप्यूटर ऑपरेटर टीम को कोई भी रिकॉर्ड नहीं दिखा सके। इसके साथ ही टीम के द्वारा उपस्थिति रजिस्टर मांगने पर भी उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

ऐसे में टीम ने छात्र–छात्राओं एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के बयान दर्ज करने के बाद अपनी जांच रिपोर्ट तैयार की है। जिसे शासन को भेजा जाएगा। एडीएम विशु राजा ने बताया कि जांच समिति के अधिकारी यूनिवर्सिटी कैंपस गए थे। वहां यूनिवर्सिटी का कोई भी प्रशासनिक अधिकारी नहीं मिला था। ऐसे में छात्र–छात्राओं एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के बयान दर्ज किए गए हैं। जिसकी रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी।

# भारत का कौन सा क्षेत्र ट्रंप के 26 फीसदी टैरिफ से सबसे अधिक प्रभावित होगा

## किस सेक्टर को राहत ?

नई दिल्ली । ट्रंप ने अपने व्यापारिक साझेदारों पर 10 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक का जवाबी टैरिफ लगाने का एलान किया है। अमेरिका ने इस कड़ी में भारत पर भी 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। अमेरिकी टैरिफ के असर से भारत के निर्यात से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों को जवाबी टैरिफ से फिलहाल तो राहत दी गई है, लेकिन उनका भविष्य भी अनिश्चत है। आइए विस्तार से जानें भारत पर अमेरिकी टैरिफ के असर से जुड़ा हर पहलू। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को अमेरिका में बाहर से आकर बिकने वाली वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ लगाने का एलान कर दिया। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर भी पारस्परिक टैरिफ लगाया है। अमेरिकी सरकार ने बताया है कि भारत की ओर से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों पर 26: का एकसमान टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने अपने व्यापारिक साझेदारों पर 10 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक का जवाबी टैरिफ लगाने का एलान किया। हालांकि कुछ भारतीय चीजों के निर्यात पर अमेरिका ने जवाबी टैरिफ से छूट भी दी है। इस बारे में आगे जानेंगे, पहले जानते हैं अमेरिकी प्रशासन ने भारत के संदर्भ में क्या कहा है?

### अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ का गणित क्या ?

व्हाइट हाउस के एक बयान के अनुसार अमेरिका भारत से आने वाले यात्री वाहनों के आयात पर 2.5 प्रतिशत टैरिफ लगाता है, जबकि भारत अमेरिकी गाड़ियों पर 70 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। भारतीय सेब को अमेरिका में बिना किसी शुल्क के प्रवेश प्रवेश की अनुमति है, लेकिन भारत अमेरिका से आने वाले सेबों पर 50प्रतिशत शुल्क लगाता है। चावल पर अमेरिका 2.7 प्रतिशत शुल्क लगता है, जबकि भारत अमेरिका के चावल पर 80 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। अमेरिकी सरकार की ओर से जारी बयान में यह भी बताया गया कि नेटवर्किंग स्विच और राउटर पर अमेरिका 0 प्रतिशत टैरिफ लगाता है, लेकिन भारत 10–20 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है। अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा 46 अरब डॉलर है।

### 1. फार्मास्युटिकल्स

भारत के फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर को फिलहाल 26: की जवाबी टैरिफ से बाहर रखा गया है, लेकिन इस क्षेत्र में भी अनिश्चितता बनी हुई है। फार्मास्यूटिकल सेक्टर भारत के अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में लगभग 12.2 अरब डॉलर का योगदान देता है। इस क्षेत्र को फिलहाल टैरिफ के प्रभाव से बचा लिया गया है। प्रमुख भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनियों के लिए यह राहत की बात है। भारतीय दवा कंपनियों के लिए अमेरिका एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। हालांकि, विश्लेषक भविष्य में टैरिफ में होने वाले किसी भी संशोधन की आशंका के बारे में सतर्क हैं।

ब्रोकरेज हाउस बर्नस्टीन ने हेल्थकेयर सेक्टर पर टैरिफ के सीमित प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुए इस क्षेत्र में वृद्धि की उम्मीद जताई है। वहीं सीएलएसए ने कहा है, फार्मा इंडस्ट्री को टैरिफ से छूट मिली है इसलिए इसकेस्टॉक में सुधार की उम्मीद है। पहले से इस क्षेत्र के उत्पादों पर 10: टैरिफ लगाया जा रहा है। वहीं, ब्रोकरेज हाउस जेफरीज ने कहा है कि अभी के लिए भारतीय फार्मा सेक्टर पर ट्रंप के जवाबी टैरिफ का न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा लेकिन भविष्य में किसी अतिरिक्त टैरिफ से इनकार नहीं किया जा सकता है। अमेरिका में कारोबार करने वाले जेनेरिक फार्मा कंपनियों के शेयरों में तेजी दिख सकती है। ब्रोकरेज हाउस सिटी ने कहा, हम छूट को सकारात्मक मानते हैं, हालांकि यह छूट कब तक जारी रहेगी इस अवधि के बारे में अनिश्चितता बरकरार है।

### 2. आटोमोबाइल

ऑटोमोबाइल उद्योग की अमेरिका को भारत के कुल निर्यात में लगभग 3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ट्रंप के ताजा टैरिफ से इस सेक्टर को झटका लगने की उम्मीद है। मैक्वेरी ने कहा, 26 प्रतिशत का व्यापक टैरिफ अमेरिकी बाजार में भारतीय ऑटोमोबाइल निर्यात की मांग और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा। इससे उत्पादन लागत में वृद्धि, संभावित छंटनी और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान का खतरा पैदा हो सकता है।

### 3. विनिर्माण और सामान्य निर्यात

भारत का व्यापक विनिर्माण क्षेत्र को 26 प्रतिशत टैरिफ के बोझ से संघर्ष करना पड़ेगा। मैक्वेरी के अनुसार, बढ़ी हुई लागत अमेरिकी बाजार में भारत से निर्यात होने वाले विनिर्माण क्षेत्र की वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। इस हालत में इन कंपनियों की वृद्धि भी धीमी पड़ सकती है। इससे जीडीपी पर 50 आधार अंकों तक का प्रभाव पड़ सकता है।

### 4. आईटी और सेवा क्षेत्र

अमेरिका का जवाबी बहुत हद तक भौतिक वस्तुओं पर केंद्रित हैं, जिसका अर्थ है कि भारत का आईटी और सेवा क्षेत्र टैरिफ के असर से काफी हद तक अछूता रह सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन का ताजा टैरिफ विवेकाधीन खपत को प्रभावित कर सकता है। अमेरिका की ओर से जवाबी टैरिफ के एलान के बाद शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ और बाजार में उतार–चढ़ाव के बीच 85.69 रुपये के करीब कारोबार करता दिखा। बर्नस्टीन के अनुसार आईटी क्षेत्र पर सबसे बड़ा असर अमेरिका में लोगों की खपत में गिरावट आने से पड़ेगा। अमेरिकी व्यय में गिरावट से भारतीय आईटी फर्मों पर असर देखने को मिल सकता है, क्योंकि यह क्षेत्र अमेरिकी बाजार पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

### भारत के लिए अब आगे क्या रास्ता है ?

फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका ने व्यापार समझौता करने और टैरिफ पर गतिरोध को जल्द से जल्द सुलझाने पर सहमति व्यक्त की थी। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने कई बार दावा किया कि भारत 23 अरब डॉलर से अधिक की अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ में पर्याप्त कटौती कर सकता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत सरकार की एक आंतरिक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प की ओर से चीन पर उच्च टैरिफ लगाए जाने के कारण, जिन क्षेत्रों में भारत अमेरिका को निर्यात में बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सकता है, उनमें कपड़ा, परिधान और जूते जैसे उत्पाद शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत को लोहा और इस्पात उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने का भी अवसर मिलेगा। चीन पर भारत की तुलना में अधिक टैरिफ लगाया गया है। ऐसे में भारत अपनी विनिर्माण क्षमता इस्तेमाल कर अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ा सकता है।

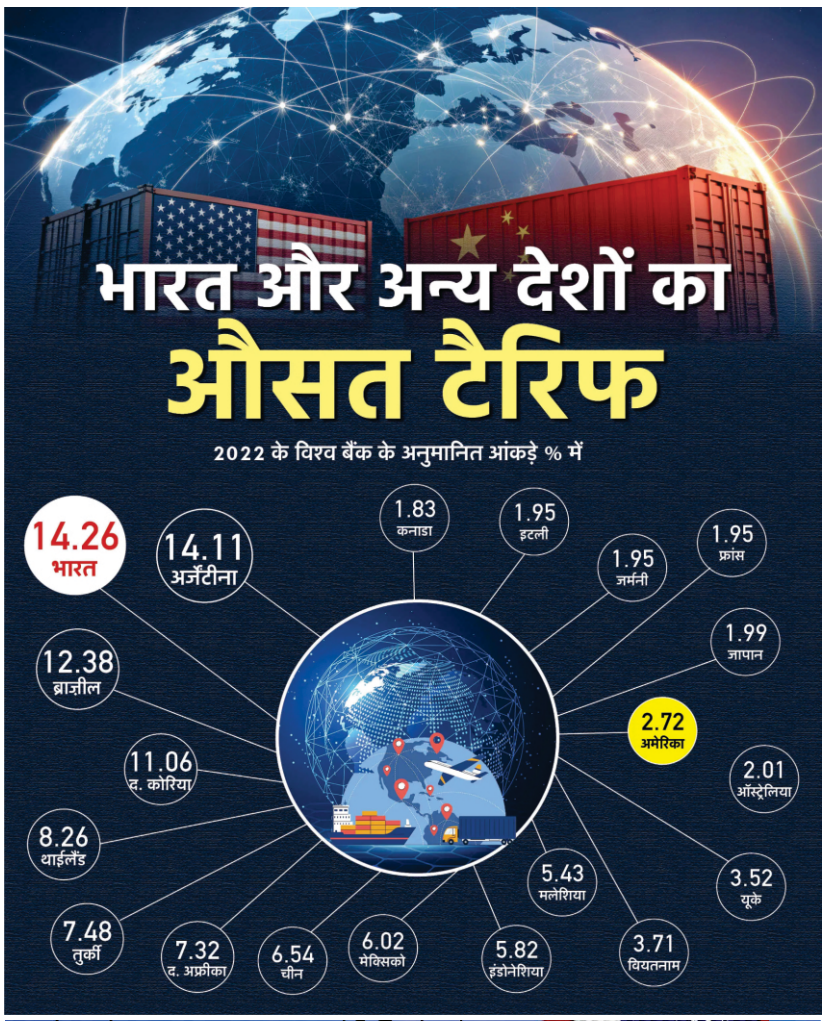

## भारत और अमेरिका एक दूसरे पर कितना टैरिफ लगाते हैं?

| उत्पाद श्रेणी | भारत का टैरिफ (%) | अमेरिकी टैरिफ (%) |
|---|---|---|
| कृषि, मीट और प्रोसेस्ड फूड | 37.66 | 5.29 |
| ऑटोमोबाइल | 24.14 | 1.05 |
| हीरे, सोना और संबंधित उत्पाद | 15.45 | 2.12 |
| रसायन और फार्मास्यूटिकल्स | 9.68 | 1.06 |
| इलेक्ट्रिकल, दूरसंचार और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद | 7.64 | 0.41 |
| चिकित्सा, चमड़ा, कागज, कांच, जहाज, विमान | 9.7 | 2.79 |
| प्लास्टिक, वस्तुएं | 9.95 | 4.38 |
| मशीनरी, कंप्यूटर | 6.6 | 1.3 |
| लोहा, इस्पात और आधार धातुओं के उत्पाद | 4.54 | 2.06 |
| वस्त्र और परिधान | 10.37 | 8.99 |
| अयस्क, खनिज और पेट्रोलियम | 6.67 | 2.31 |
| शराब व अल्कोहॉल | 124.58 | 2.49 |
| डेयरी प्रोडक्ट | 39.78 | 1.54 |
| फिश मीट, फ्रोजन | 28.42 | 0.59 |
| लाइव एनिमल प्रोडक्ट | 28.4 | 0.66 |
| चीनी, कोकोआ, प्रोसेस्ड फूड | 29.66 | 4.67 |
| खाद्य तेल | 12.07 | 1.4 |
| अनाज, सब्जी, फ्रूट, मसाले | 8.82 | 3.1 |
| तंबाकू सिगरेट | 33 | 201.15 |
| ऑटोमोबाइल बाइक पार्ट्स | 24.14 | 1.05 |
| जूते | 24.33 | 8.77 |
| हीरा, सोना, चांदी | 15.45 | 2.12 |
| दवाएं | 10.91 | 0.01 |
| आर्टिफिशियल फ्लावर, छाते | 12.89 | 2.59 |
| घड़ी, मेडिकल उपकरण, खिलौने, आर्ट | 10.31 | 1.42 |
| सेरामिक उत्पाद, ग्लास, सीमेंट उत्पाद | 11.65 | 3.38 |
| कागज और लकड़ी से बने उत्पाद | 9.06 | 1.18 |
| रबड़ और उससे बने उत्पाद | 9.79 | 2.03 |
| इलेक्ट्रिकल, टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद | 7.64 | 0.41 |
| कपड़े और कार्पेट | 10.14 | 3.55 |
| फार्मा छोड़कर अन्य रसायन | 9.44 | 3.39 |
| प्लास्टिक और उससे बने उत्पाद | 9.95 | 4.38 |
| मशीनरी और कंप्यूटर उत्पाद | 6.6 | 1.3 |
| रेलवे, एयरक्राफ्ट और शिप के उत्पाद | 5.23 | 0.23 |
| चमड़े से बने उत्पाद | 11.98 | 7.29 |
| लोहे के उत्पाद और स्टील | 5.12 | 1.49 |
| सिले और इस्तेमाल हुए कपड़े | 11.85 | 8.99 |
| बेस मेटल उत्पाद | 4.09 | 2.98 |
| अयस्क, मिनरल और पेट्रोलियम | 2.31 | 6.67 |
| गार्मेंट्स | 7.43 | 12.05 |

## इस हरकत के लिए सिंगर एम जी श्रीकुमार पर हजारों का जुर्माना

### 15 दिनों में देना होगा, नोटिस जारी

एंटरटेनमेंट डेस्क। सिंगर एम जी श्रीकुमार पर 25,000 रुपये जुर्माना लगा है। कथित तौर पर उनके ऊपर बैकवॉटर में कचरा फेंकने का आरोप है। सिंगर एम जी श्रीकुमार पर जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की रकम है 25,000 रुपये। सिंगर पर कथित तौर पर बैकवॉटर में कचरा फेंकने का आरोप है। इस सिलसिले में उन्हें नोटिज जारी किया गया है और कहा गया है कि उन्हें 15 दिनों के भीतर जुर्माने की रकम देनी होगी।

***15 दिनों के अंदर जुर्माना भरने का निर्देश***

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, कोची के निकट एक स्थानीय निकाय ने लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर एम जी श्रीकुमार पर कोची बैकवॉटर में कथित रूप से कचरा डालने के लिए 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने आज गुरुवार को बताया कि मुलवुकाड ग्राम पंचायत ने एक नोटिस जारी कर गायक को 15 दिनों के भीतर जुर्माना भरने का निर्देश दिया है।

पंचायत सूत्रों के मुताबिक एक पर्यटक ने अपने मोबाइल फोन पर सिंगर का एक वीडियो बना लिया। इसमें मुलवुकाड पंचायत क्षेत्र में स्थित गायक के घर से कोची के बैकवॉटर में एक कचरे का थैला फेंका जा रहा था। इसके बाद श्रीकुमार को नोटिस भेजा गया।

सूत्रों के अनुसार कुछ दिन पहले यह वीडियो स्थानीय स्वशासन मंत्री एमबी राजेश को टैग करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था।

***वीडियो देखकर फैंस ने पूछा– डेब्यू करने वाली हैं क्या ? भूमि पेडनेकर की छोटी बहन की शक्ल उनसे इतनी मिलती है कि दोनों को साथ में खड़ा कर दिया जाए तो फर्क करना मुश्किल हो जाएगा ।***

## बेहद खूबसूरत

# भूमि पेडनेकर

दिल्ली। बॉलीवुड में कई एक्ट्रेस हैं, जिनकी छोटी बहन या तो फिल्मों में आने के लिए तैयार हैं या फिर इसमें कुछेक ने एंट्री ले ली है. इसमें कैटरीना कैफ, कृति सेनन और भूमि पेडनेकर की छोटी बहने शामिल हैं. बात करें तो भूमि पेडनेकर की बहन समीक्षा पेडनेकर की तो वह शक्ल में अपनी स्टार बहन की डिट्टो कॉपी हैं. भूमि और समीक्षा को साथ में देखने के बाद दोनों में फर्क करना मुश्किल हो सकता है. ना सिर्फ भूमि बल्कि समीक्षा भी ग्लैमर में किसी एक्ट्रेस से कम नहीं हैं. आखिर क्या करती हैं भूमि पेडनेकर की बहन और क्या इनको कभी बॉलीवुड में देखा जाएगा चलिए जानते हैं।

***क्या करती हैं समीक्षा पेडनेकर?***

भूमि की बहन समीक्षा पेशे से एक लॉयर और उद्यमी हैं. समीक्षा अपने काम के साथ–साथ सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं. समीक्षा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर आपको उनकी एक से एक ग्लैमरस तस्वीर देखने को मिलेंगी. समीक्षा ने बहन भूमि के साथ कई ऐसी तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिसमें किसी के लिए भी यह पहचानना मुश्किल हो जाएगा कि इसमें भूमि कौन है. समीक्षा को बहन भूमि के साथ कई बॉलीवुड इवेंट और अवार्ड शो में भी देखा जाता है. ऐसा कई दफा हुआ है, जब पैप्स भी समीक्षा को भूमि मानकर उनकी तस्वीरें निकालने लगे.

***दोनों बहने हैं ग्लैमरस***

लेटेस्ट वीडियो में भूमि और समीक्षा का ग्लैमरस और कूल अंदाज दिख रहा है. भूमि को रेट्रो टच लुक में और समीक्षा को स्टनिंग लुक में देखा जा रहा है. समीक्षा ने ब्लैक रंग की फ्रंट से रिवीलिंग ड्रेस पहनी हुई है और उस पर ब्लैक रंग की हाई हील कैरी की हुई है. वहीं, भूमि की बात करें तो एक्ट्रेस ने ब्लू पैंट और जैकेट सेट पहना हुआ है. दोनों ही बहने फैशन में एक–दूजे को कड़ी टक्कर दे रही हैं. फिलहाल समीक्षा को लेकर किसी भी फिल्म का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन वह लाइमलाइट में जरूर बनी रहती हैं. दूसरी तरफ भूमि मौजूदा साल में अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह संग फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में नजर आई थीं।

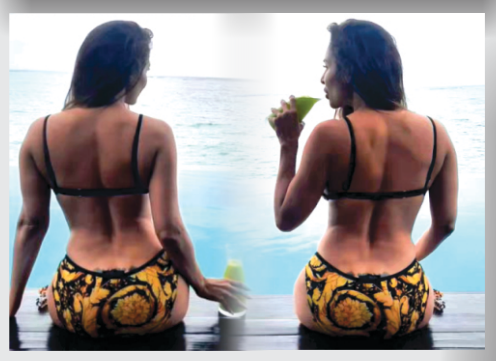

# मलाइका का नया टैटू

एंटरटेनमेंट डेस्क। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में नया टैटू बनवाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे टैटू को फ्लॉन्ट करती दिखी हैं। अभिनेता अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद मलाइका अपनी जिंदगी में मूव ऑन कर चुकी हैं। जिंदगी के प्रति उनका नजरिया काफी सकारात्मक है। उनके सोशल मीडिया पोस्ट में अक्सर इसकी झलक मिलती है। मलाइका ने हाल ही में एक नया टैटू बनवाया है। उन्होंने यह टैटू अपनी बाजू पर बनवाया है, जिसे हालिया तस्वीरों के जरिए वे फ्लॉन्ट करती नजर आई हैं।

***क्या है टैटू का मतलब?***

मलाइका अरोड़ा ने आज गुरुवार 03 अप्रैल को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी कई सारी फोटोज शेयर की हैं। दरअसल, मलाइका के ये लुक 26 मार्च से 30 मार्च तक चलने वाले लैक्मे फैशन वीक के दौरान के हैं। इन्हीं तस्वीरों में अभिनेत्री ने अपना टैटू भी फ्लॉन्ट किया है। मलाइका ने अपने हाथ पर लिखवाया है, इसब्र शुक्रश।

**अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद ने बांह पर बनवाया सोशल मीडिया पर किया फ्लान्ट**

# क्या फैजू ने अपने ब्रेकअप पर लगाई मुहर

एंटरटेनमेंट डेस्क। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर फैजल शेख और अभिनेत्री जन्नत जुबैर की के ब्रेकअप की अफवाह को और हवा तब मिल गई, जब फैजू ने 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के दौरान अपनी निजी जिंदगी को लेकर हिंट दिया। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर फैजल शेख अपनी ब्रेकअप की अफवाहों के चलते सुर्खियों में हैं। मौजूदा समय में वह 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में भी नजर आ रहे हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में वह डिश बनाते हुए तनाव में नजर आए। उनके इस लुक ने चिंता बढ़ा दी। रणवीर बरार और विकास खन्ना ने उनका हालचाल जानने की कोशिश की। उन्होंने फैसल से पूछा कि आप क्यों चिंतित हैं? जानते हैं फैजू ने क्या कहा?

**फैजू बोले– मैं परेशान हूं**

जब फैजू से उनकी चिंता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ष्मेरे जीवन में कुछ चीजें हैं जो काफी परेशान करने वाली हैं। मैं उनकी वजह से परेशान हूं। इसके बाद रणवीर ने उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करते हुए कहा, एक बार जब आप इस रसोई में होते हैं, तो बाहर की जिंदगी बाहर ही होती है। वर्तमान पर ध्यान दें।" वहीं, विकास ने कहा, रेस के आखिरी लैप में आप इधर–उधर देख रहे होते हैं। आप वही व्यक्ति नहीं होते हैं।" रणवीर ने फैजल को प्रेरित करते हुए कहा कि आप हमेशा कहते हैं कि आप फिनिश लाइन से चूक गए हैं। आप खुद से सवाल करें। अपना बेस्ट दें। ये ना सोचें की बाहर क्या हो रहा है।

**जन्नत जुबैर ने इंस्टाग्राम पर किया अनफालो**

जन्नत जुबैर और फैजल शेख के बीच रिलेशनशिप की खबरें थीं। अब दोनों अलग होने की वजह से चर्चा में हैं। जन्नत ने इंस्टाग्राम पर फैजल को अनफॉलो कर दिया है और एक क्रिप्टिक पोस्ट करते हुए लिखा कि जो है उसे स्वीकार करो, जो था उसे जाने दो और जो था उस पर विश्वास रखो और जो होगा उस पर विश्वास रखो। जन्नत के भाई और मां ने भी फैजू को अनफॉलो कर दिया है।





# पोस्ट शेयर कर फैंस को बताई बात

*अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। बीते साल उन्होंने पुष्पा 2 में श्रीवल्ली के रूप में ने दर्शकों से खूब प्यार बटोरा। इसके बाद छावा में नजर आई और अब सिकंदर में सभी का दिल जीत रही हैं। रश्मिका की लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ है। वहीं एक्ट्रेस का ये बर्थडे मंथ भी है। रश्मिका इसके लिए बहुत एक्साइटेड हैं।*

**5 अप्रैल को है रश्मिका का बर्थडे एक्ट्रेस ने शेयर किया पोस्ट सिकंदर में हैं लीड एक्ट्रेस**

*एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। इंडियन फिल्म एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना 5 अप्रैल को 29 साल की हो रही हैं। उनकी फिल्म सिकंदर भी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और बढ़िया कलेक्शन कर रही है। वहीं अपने बर्थडे से पहले एक्ट्रेस कुछ ज्यादा ही एक्साइटेड लग रही हैं।*

**रश्मिका ने शेयर किया बर्थडे पोस्ट**

*अपनी इस खुशी को रश्मिका ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शेयर किया। रश्मिका आने वाले 5 अप्रैल को 29 साल की हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक पोस्ट शेयर की।*

# 23.75 करोड़ मिलने का मतलब यह नहीं कि हर मैच में रन बनाने होंगे, वेंकटेश अय्यर का आलोचकों को जवाब

स्पोर्ट्स डेस्क। केकेआर ने मेगा नीलामी में राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करके वेंकटेश को फिर से अपनी टीम से जोड़ा था, लेकिन वह पहले दो मैच में केवल नौ रन बना पाए थे। अब 60 रन की पारी खेलने के बाद वेंकटेश ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। आईपीएल 2025 में गुरुवार को वेंकटेश अय्यर की शानदार बल्लेबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 80 रन से हरा दिया।

वेंकटेश ने 29 गेंद में 60 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी के साथ ही वेंकटेश ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। दरअसल, शुरुआती दो मैच में वेंकटेश फेल रहे थे। ऐसे में आलोचक उन पर निशाना साध रहे थे कि केकेआर ने उन्हें क्यों ज्यादा दाम पर खरीदा। अब वेंकटेश ने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा है कि उन्हें 23.75 करोड़ रुपए की धनराशि मिलने का यह मतलब नहीं है कि उन्हें हर एक मैच में बड़ा स्कोर बनाना होगा। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करने पर है।

**यह मतलब नहीं कि हर मैच मे रन बनाने होंगे**

केकेआर ने मेगा नीलामी में राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करके वेंकटेश को फिर से अपनी टीम से जोड़ा था, लेकिन वह पहले दो मैच में केवल नौ रन बना पाए थे। अब 60 रन की पारी खेलने के बाद वेंकटेश ने कहा, श्मैं झूठ नहीं बोलूंगा, थोड़ा दबाव है। आप लोग इसको लेकर इतनी चर्चा कर रहे हैं, लेकिन (केकेआर में) सबसे अधिक धनराशि पाने वाला खिलाड़ी होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे हर मैच में रन बनाने होंगे।

**टीम के लिए कैसे मैच जीत सकता हूं, इस पर ध्यान**

उन्होंने कहा, यह इससे जुड़ा है कि मैं टीम के लिए कैसे मैच जीत सकता हूं और मैं क्या प्रभाव डाल सकता हूं। इसको लेकर दबाव नहीं है कि मुझे कितनी धनराशि मिल रही है या मैं कितने रन बना रहा हूं। मुझ पर इस तरह का दबाव कभी नहीं रहा। यह पूछे जाने पर कि क्या केकेआर में सबसे अधिक धनराशि पाने वाले खिलाड़ी होने का दबाव आखिरकार हट गया, वेंकटेश ने मुस्कुराते हुए उल्टा सवाल दाग दिया। उन्होंने कहा, आप ही मुझे यह बताएं। मैं आईपीएल के शुरू से कह रहा हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको 20 लाख या 20 करोड़ मिल रहे हैं। मैं टीम का एक खिलाड़ी हूं जो टीम की जीत में योगदान देना चाहता है।

**कभी–कभी मुश्किल परिस्थितियों का भी सामना करना होगा**

वेंकटेश ने कहा, कभी–कभी हमें मुश्किल परिस्थितियों का भी सामना करना होगा जहां मेरा काम कुछ ओवर खेलना होगा और अगर मैं ऐसा करता हूं और रन नहीं बनाता हूं, तो भी मैंने अपनी टीम के लिए योगदान दिय। कोलकाता के बल्लेबाज पहले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उनमें आक्रामकता का अभाव दिखा लेकिन वेंकटेश ने कहा कि उनकी टीम सोची समझी आक्रामकता पर विश्वास करती है।

**आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर छक्के लगाना नहीं**

उन्होंने कहा, आक्रामकता का मूल अर्थ सकारात्मक इरादे दिखाना है। यह सकारात्मक लेकिन सही इरादे दिखाने से जुड़ा है। आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर छक्के लगाना नहीं है। मेजबान टीम कोलकाता ने छह विकेट पर 200 रन बनाए थे। जवाब में सनराइजर्स की टीम 16.4 ओवर में 120 रन पर आउट हो गई।

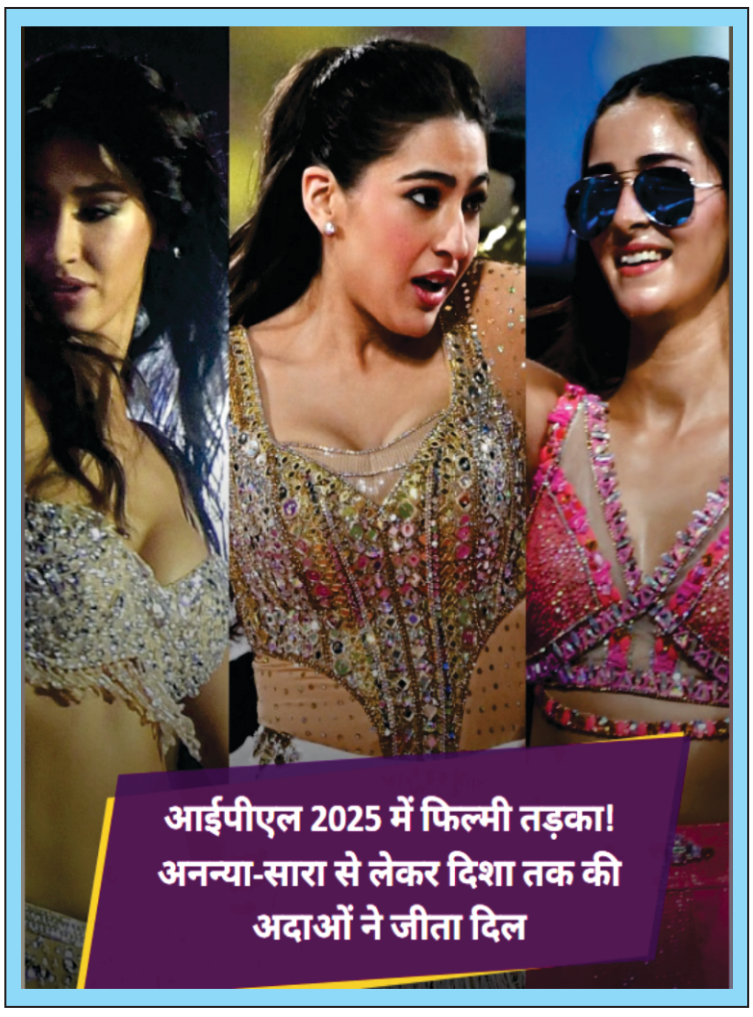


# मुंबई की तीसरी हार के बाद बल्लेबाजों और गेंदबाजों पर भड़के कप्तान हार्दिक पांड्या

स्पोर्ट्स डेस्क। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। मुंबई के पास लखनऊ के 203 रन का कोई जवाब नहीं था। मुंबई की टीम की यह इस सीजन तीसरी हार रही। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच में 12 रन से हार का सामना करने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम ने गेंदबाजी करते समय 10–12 रन अधिक खर्च किए। मैच के बाद पुरस्कार समारोह में हार्दिक ने कहा, श्हारना हमेशा निराशाजनक होता है। मैं अगर ईमानदारी से कहूं तो मैदान में हमने 10–12 रन ज्यादा खर्च किए। आखिरी में हम इसी अंतर से हारे।

**हार्दिक ने अपनी गेंदबाजी की तारीफ की**

हार्दिक ने इस मैच में 36 रन देकर पांच विकेट लिए। टी20 क्रिकेट में उन्होंने पहली बार पांच विकेट चटकाए हैं। उन्होंने कहा, श्मैंने हमेशा अपनी गेंदबाजी का लुत्फ उठाया है। मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं, लेकिन मैं विकेट परखकर समझदारी से अपने विकल्प चुनता हूं। मैं विकेट लेने की जगह बल्लेबाजों से गलतियां करवाने और उन्हें डॉट गेंद फेंकने की कोशिश करता हूं।

**बल्लेबाजी इकाई के रूप में पिछड़े**

हार्दिक ने बल्लेबाजों को भी फटकार लगाते हुए कहा, श्मुझे लगता है कि एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम पिछड़ गए। हम एक टीम के रूप में जीतते हैं और एक टीम के रूप में हार रहे हैं। किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहता। इसकी जिम्मेदारी पूरी बल्लेबाजी इकाई को लेनी होगी। मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।

**तिलक के रिटायर्ड आउट होने पर बयान**

मुंबई ने तिलक वर्मा को उस समय रिटायर आउट करने का फैसला किया जब टीम को जीत के लिए सात गेंद में 24 रन की जरूरत थी। तिलक बड़ा शॉट खेलने में संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने 23 गेंद में 25 रन बनाए। हार्दिक ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, श्हमें कुछ बड़े शॉट की जरूरत थी, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पा रहा था। क्रिकेट में कुछ ऐसे दिन आते हैं, जब आप कोशिश करते हैं लेकिन वह सफल नहीं होता है। बस अच्छा क्रिकेट खेलें, मैं इसे सरल रखना पसंद करता हूं।

**लखनऊ को मिली जीत**

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में सूर्यकुमार यादव ने भी पचासा जड़ा, लेकिन उनकी कोशिश बेकार गई और मुंबई निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी।

# भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर रह सकता है इंग्लैंड का यह तेज गेंदबाज

स्पोर्ट्स डेस्क। स्कैन से पता चला है कि स्टोन को सर्जरी की जरूरत पड़ेगी जोकि इस हफ्ते होगी। वह 14 हफ्ते तक मैदान से दूर रह सकते हैं। आईपीएल के 18वें सत्र के बाद भारत को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है। भारत और इंग्लैंड के बीच यह सीरीज जून से अगस्त तक खेली जाएगी। इससे पहले ही इंग्लैंड को बड़ा झटका लग सकता है क्योंकि भारत के खिलाफ इस महत्वपूर्ण सीरीज में उसके तेज गेंदबाज ओली स्टोन का खेलना मुश्किल है। स्टोन चोटिल होने के कारण बाहर होने के कगार पर है।

**स्टोन को करानी होगी सर्जरी**

इस 31 साल के गेंदबाज के दाएं घुटने में चोट उनकी काउंटी टीम नॉटिंघमशायर काउंटी के घरेलू सत्र शुरू होने से पहले अबुधाबी में टीम के अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इंग्लैंड के 31 साल के गेंदबाज ने अभी तक पांच टेस्ट खेले हैं। पिछला टेस्ट अगस्त–सितंबर में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। अब तक उन्होंने 17 टेस्ट विकेट लिए हैं। स्कैन से पता चला है कि उन्हें सर्जरी की जरूरत पड़ेगी जोकि इस हफ्ते होगी। वह 14 हफ्ते तक मैदान से दूर रह सकते हैं। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और नॉटिंघमशायर की मेडिकल टीम उनकी चोट पर नजर रखे हुए हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।